राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

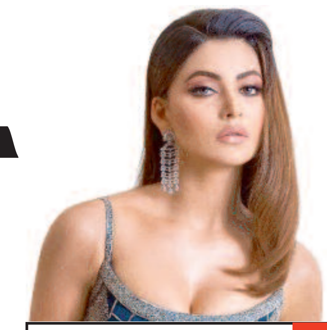

वर्ष - 02, अंक - 34 | गाजियाबाद / शुक्रवार 08 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

काष्ठ कला के दम पर सहारनपुर को.. 04

उर्वशी रौतेला की वापसी से... 11

संक्षिप्त समाचार

सम्राट कैबिनेट में नीतिश के बेटे समेत 32 मंत्री

- पीएम ने पूर्व सीएम को बुलाया, हाथ पकड़कर पास लाए
- पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश ने प्रधानमंत्री के कंधे पर हाथ रखा

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी के सीएम बनने के 22 दिन बाद आज गुरुवार को कैबिनेट का विस्तार किया गया। मेगा इवेंट में नीतिश के बेटे निशांत कुमार समेत 32 मंत्री सम्राट कैबिनेट में शामिल हुए। नई कैबिनेट में बीजेपी से 15, जेडीयू से 13, एलजेपी (आर)-2, हम और लोसपा से एक-एक मंत्री हैं। 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों ने शपथ ली है। पहली बार में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह, और दिलीप जायसवाल ने शपथ ली। निशांत कुमार पहली बार मंत्री बने हैं। समारोह में पीएम मोदी भी शामिल हुए हैं। कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतिश कुमार को अपने पास बुलाया।

बीजेपी ने 3 चेहरों को ड्रॉप किया

सम्राट कैबिनेट में बीजेपी कोटे से 15 मंत्रियों ने शपथ ली है। इनमें 5 नए चेहरे हैं, वहीं तीन पुराने लोगों को इस बार मौका नहीं मिला। इनमें बीजेपी के सीनियर लीडर मंगल पांडेय, बेगूसराय के बछवाड़ा से विधायक सुरेंद्र मेहता और प. चंपारण से नारायण प्रसाद का नाम शामिल है। मंत्री पद नहीं मिलने के बाद मंगल पांडे को भाजपा संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। पूर्व मंत्री नितिन नवीन की टीम में शामिल होंगे।

विजय की शपथ ग्रहण पर सस्पेंस हुआ खत्म!

- बहुमत साबित करने के बाद ही सीएम बन सकते हैं टीवीके चीफ

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में कौन बनेगा मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस बरकरार है। गुरुवार सुबह विजय एक बार फिर राज्यपाल से मिले। लेकिन अब खबर आई है कि विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की शपथ तभी ले सकते हैं जब उनके पास बहुमत का आंकड़ा हो। सियासी गलियारों में हलचल तेज है। एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि विजय राज्य में तभी शपथ ले पाएंगे जब उनके पास बहुमत हो।

विजय को सरकार बनाने दें: स्टालिन

डीएमके प्रमुख स्टालिन ने कहा कि सी जोसेफ विजय की सरकार बनाने दें। डीएमके अगले छह महीने तक बिना किसी हस्तक्षेप के नई सरकार को देखेगी और उसके बाद कोई फैसला लेगी। स्टालिन ने संकेत दिया कि फिलहाल डीएमके राज्य में ना तो संवैधानिक संकट चाहती है और ना ही जल्द दोबारा चुनाव।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ निपटाएंगे सास-बहू का झगड़ा

- एससी ने कपूर फैमिली विवाद में नियुक्त किया मध्यस्थ

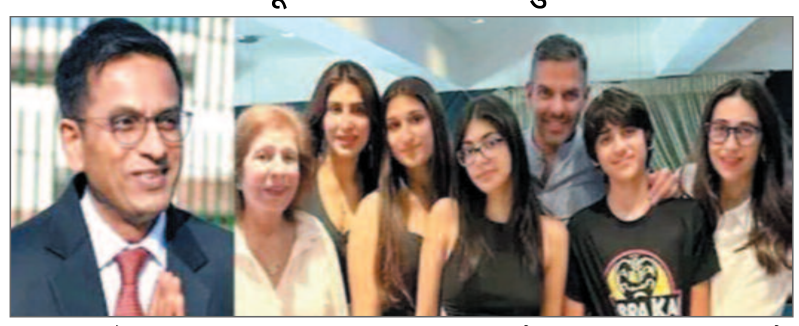

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ एक हाई प्रोफाइल बिजनेस फैमिली के झगड़े के सुलझाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कपूर फैमिली विवाद में मध्यस्थ के तौर पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति कपूर फैमिली के पारिवारिक ट्रस्ट से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए की गई है। यह विवाद उस कानूनी लड़ाई का केंद्र बिंदु है, जो पिछले साल जून में व्यवसायी संजय कपूर के निधन के बाद उनके द्वारा छोड़ी गई 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर चल रही है।

मुख्य विवाद संजय कपूर की मां रानी कपूर और उनकी पत्नी प्रिया कपूर के बीच है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि यह मध्यस्थता केवल ट्रस्ट (यानी रानी कपूर फैमिली ट्रस्ट) और कपूर परिवार से जुड़ी अन्य कंपनियों तक ही सीमित है; इसमें संजय कपूर की वसीयत शामिल नहीं है। संजय कपूर की मां, रानी कपूर ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक दीवानी मुकदमा दायर किया था, जिसमें उन्होंने इस ट्रस्ट को अवैध और धोखाधड़ी एवं जालसाजी के जरिए बनाया गया घोषित करने की मांग की थी।

परिवार के सभी सदस्य मध्यस्थता के लिए राजी- विवाद में शामिल परिवार के सभी सदस्य ट्रस्ट से जुड़े मामले में मध्यस्थता के लिए पेश होने को राजी हो गए हैं। इनमें संजय कपूर की दूसरी पत्नी करिश्मा कपूर के बच्चे, समायरा और कियान भी शामिल हैं।

अगली सुनवाई अब अगस्त में होगी

पीठ ने कहा, आज संबंधित पक्षों की ओर से पेश सभी वकीलों ने मध्यस्थता के लिए सहर्ष सहमति व्यक्त की है। इसे देखते हुए हम भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ के रूप में नियुक्त करते हैं। पीठ ने यह भी कहा, हम मध्यस्थ से प्रारंभिक रिपोर्ट मिलने की प्रतीक्षा करेंगे और उसके बाद मामले में आगे की कार्यवाही करेंगे। मामले की अगली सुनवाई अब अगस्त में होगी।

पारिवारिक ट्रस्ट को अमान्य घोषित करने की मांग

शीर्ष अदालत ने 27 अप्रैल को, संजय कपूर की मां द्वारा दायर उस मामले में प्रिया कपूर और अन्य से जवाब मांगा था जिसमें पारिवारिक ट्रस्ट को अमान्य घोषित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। पीठ ने 80 वर्षीय रानी कपूर द्वारा दायर याचिका पर प्रिया कपूर और अन्य को नोटिस जारी किया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि अक्टूबर 2017 में उनके नाम पर गठित ट्रस्ट जाली था।

'ऑपरेशन सिंदूर' अभियान अंत नहीं, बल्कि शुरुआत थी

- एक साल पूरे होने पर सेना बोली, आतंकवाद से लड़ते रहेंगे

भारती ने कहा-सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा हमला दोबारा न हो

जयपुर (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभियान अंत नहीं, बल्कि शुरुआत थी। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा। गुरुवार को भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के सैन्य अभियानों के प्रमुख जयपुर के साउथ वेस्टर्न कमांड में जुटे। यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सैन्य अभियान के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस अभियान को पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ पिछले कई दशकों में भारत का सबसे व्यापक सैन्य अभियान बताया गया। पहलगाम हमले में मारे गए हमारे भाई-बहनों को हम वापस नहीं ला सकते, लेकिन यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ऐसा हमला दोबारा न हो।

सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं

डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन और डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ राजीव घई ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि 'आत्मनिर्भर' केवल एक नारा नहीं है, बल्कि वास्तव में हमारी शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाला है। आज हमारे 65 फीसदी से अधिक रक्षा उपकरण देश में ही बनाए जा रहे हैं। सेना उन्हीं हथियारों का उपयोग कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, अभी तो शुरुआत है। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को एक संदेश दिया है।

महाविनाशक मिसाइल टेस्ट करने जा रहा भारत

10000 किमी की मारक क्षमता, पूरी दुनिया की नींद उड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी स्वदेशी रूप से विकसित बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि के लेटेस्ट और सबसे घातक वर्जन के टेस्ट की तैयारी कर रहा है। संस्कृत में अग्नि का अर्थ आग होता है और यह मिसाइल अपने नाम के अनुरूप ही रक्षा क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने वाली है। यह मिसाइल एक साथ कई परमाणु हथियारों को ले जाने में सक्षम है, जो भारत की रणनीतिक ताकत को पूरी तरह से बदलकर रख देगी। वर्तमान में दुनिया के केवल पांच देशों के पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की ताकत है। ये देश हैं- अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन। अब इस सूची में भारत भी अपनी अग्नि-6 के साथ अपनी स्थिति बेहद मजबूत करने जा रहा है। अग्नि 6 भारत की नेक्स्ट जनरेशन मिसाइल है, जिसे खास तौर पर भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है।

दोषियों को फांसी नहीं, उम्रकैद मिले

- बेटे चंद्रनाथ की हत्या पर छलका मां का दर्द

भाई ने कहा- किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के बीच बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के करीबी और उनके पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। अब इस मामले में चंद्रनाथ रथ की मां हासिरानी रथ का दर्द छलक पड़ा है। उन्होंने अपने बेटे की हत्या के लिए सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं और दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है। चंद्रनाथ के भाई देव कुमार ने बताया कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। उत्तर 24 परगना के चांदीपुर में मीडिया से बात करते हुए हासिरानी रथ ने कहा, मैं चाहती हूं कि दोषियों को सजा मिले। मैं एक मां हूं, इसलिए मैं नहीं चाहती कि उन्हें फांसी हो। लेकिन मैं चाहती हूं कि उन्हें आजीवन कारावास मिले।

'चंद्रनाथ की किसी से कोई दुश्मनी नही थी'

चंद्रनाथ के भाई देव कुमार ने कहा, कल वह हमारे साथ बैठा था और हमसे बातचीत कर रहा था। दोपहर 2 बजे के बाद वह कोलकाता के लिए निकला था। उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। गौर करने वाली बात है कि बुधवार देर रात मध्यमग्राम के दोहरिया इलाके में बाइक सवार हमलावरों ने चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोककर उन पर गोलीबारी की थी। इस हमले में उनके सुरक्षाकर्मी बुद्धदेव भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मामले की जांच के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक हाई-लेवल एसआईटी गठित करने का फैसला किया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि एक फोरेंसिक टीम गुरुवार सुबह घटनास्थल पर पहुंची और नमूने एकत्र किए।

अधिकारी ने बताया कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारी भी मौके पर मौजूद थे। अधिकारी ने कहा, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को देखते हुए ऐसा लगता है कि हत्या पूर्व नियोजित थी। जांचकर्ता घटनास्थल और आसपास के इलाकों की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं और हमलावरों का पता लगाने के लिए पुलिस के कई दल गठित किए गए हैं।

गोलाबारी करने के बाद फरार हुए हमलावर

जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने रथ की कार को रात करीब साढ़े 10 बजे डोलतला और मध्यमग्राम चौमाथा के बीच दोहरिया के पास रोका और वे गोलीबारी करने के बाद फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा, विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। हम कई सुरागों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि हमलावरों ने रथ के वाहन को समन्वित तरीके से रोका और फिर नजदीक से कई गोलियां चलाईं। जांचकर्ताओं को संदेह है कि रथ के वाहन को पहले दोहरिया चौराहे के पास एक छोटे चारपहिया वाहन से रोका गया जिसके बाद मोटरसाइकिल सवार हमलावरों में से एक ने रथ की कार पर गोली चलाई। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिद्धनाथ गुप्ता ने घटनास्थल पर पत्रकारों से कहा, रथ की कार को कथित तौर पर रोकने वाले एक संदिग्ध वाहन को जब्त किया गया है। हालांकि, उस पर लगी नंबर प्लेट फर्जी पाई गई।

बंद मंदिर खुले, रोड से हट गए फर्जी टोल

- कांग्रेस को भी मिला सालों से खोया ऑफिस
- वेस्ट बंगाल में दिखने लगा परिवर्तन का असर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने तृणमूल कांग्रेस को बुरी तरह पटखनी दे दी है। सत्ता पलट होने के साथ ही पूरे राज्य में आगजनी, तोड़फोड़ और झड़प की खबरें सामने आ रही हैं। फिलहाल 9 मई को राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह है। उससे पहले बंगाल बीजेपी के बड़े नेता और संभावित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इसके अलावा मुर्शिदाबाद के जियागंज इलाके में भीड़ ने लेनिन की मूर्ति को तोड़ दिया। 24 परगना में टीएमसी नेता जहांगीर खान के ऑफिस में भी भीड़ ने हमला कर तोड़फोड़ और आगजनी कर दी। इसी तरह की कई खबरें लगातार सामने आ रही हैं लेकिन कुछ खबरें ऐसी भी हैं, जो ऐसे हालात में भी सत्ता परिवर्तन को सकारात्मक बता रही हैं।

कांग्रेस कार्यालयों से हटा कब्जा- चुनाव के नतीजे आते ही एक तरफ बीजेपी कार्यालय में मिठाइयां बंट रही थीं। वहीं दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल के कई जिलों में कांग्रेस के कार्यालय ताला तोड़कर खोले गए।

कांग्रेस के इन कार्यालयों को टीएमसी ने कब्जा रखा था। बीजेपी के सत्ता में आने के साथ ही कांग्रेस को उसके कार्यालय वापस मिल गए।

कई जिलों में मंदिरों में फिर शुरू हुई पूजा

कई जिलों में मंदिरों पर भी ताले लटका दिए गए थे। जैसे ही प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हुआ, वैसे ही इन मंदिरों के ताले खोलकर इनमें साफ-सफाई शुरू कर दी गई। पूरे पश्चिम बंगाल से ऐसे कई वीडियो सामने आए, जिनसे सालों से दबी भावनाएं फिर मुखर होकर सामने आईं।

कई सालों से दबी आह अब निकली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें एक युवक बता रहा है कि लॉकडाउन के समय उससे स्थानीय टीएमसी नेता ने 5 लाख रुपए की मांग की थी। जिसे न देने पर उससे अंजाम भुगतने को तैयार रहने कहा गया। युवक ने जब वसूली देने से मना किया तो उसकी दुकान पर रोज कचरा फिंकवा कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उसकी दुकान पर काम करने वाले कर्मचारियों को भी भड़काया गया। सत्ता बदलते ही युवक ने वीडियो बनाकर अपनी भड़ास निकाली है। फिलहाल सभी को 9 मई का इंतजार है। शपथ ग्रहण के बाद सरकार संभालते ही कानूनी स्थिति भी संभलने की उम्मीद है। लोगों में बदलाव को लेकर सकारात्मकता देखी जा रही है। बता दें कि बीजेपी पहली बार अपने दम पर पश्चिम बंगाल में सरकार बना रही है।

नाकों पर हो रही अवैध वसूली बंद

पश्चिम बंगाल से लगी अन्य राज्यों की सीमाओं पर कहीं पुलिस तो कहीं टीएमसी के कार्यकर्ता वाहनों से अवैध वसूली करते थे। सत्ता बदलते ही अब उन नाकों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। कई जगहों से ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जहां पहले वाहनों से वसूली होती थी और अब उन नाकों से वाहन सीधे निकल रहे हैं। ऐसा शायद ही कभी देखा गया हो कि किसी राज्य में सत्ता परिवर्तन को सरकारी कर्मचारी भी खुले तौर पर समर्थन कर रहे हों। पश्चिम बंगाल सचिवालय में चुनावी नतीजे साफ होते ही सभी कर्मचारी इकट्ठे हो गए और जमकर अपनी खुशी जाहिर की। यह कर्मचारी पिछले काफी वर्षों से सरकार से डीए बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

जयपुर में रवीना टंडन ने किया पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्री कल्पतरु संस्था के 31वें वार्षिक समारोह के तहत वृक्ष मित्र सम्मान 2026 का आयोजन हुआ, जिसमें उन लोगों को सम्मानित किया गया जो धरती को हरा-भरा रखने और प्रकृति के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। इस समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पारंपरिक अंदाज में नजर आईं रवीना टंडन ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों का उत्साह बढ़ाया और प्रकृति बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ और प्रकृति मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी हैं, और इनके बिना भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। अभिनेत्री रवीना ने लोगों से अपील कर कहा कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश हर घर तक पहुंचना चाहिए। उनके मुताबिक, विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की अनदेखी करना आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। रवीना ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ धरती देना हम सभी की जिम्मेदारी है, और विकास तथा पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलना ही समय की सबसे बड़ी जरूरत है। कार्यक्रम में विशेष रूप से उन जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया, जिनके अथक प्रयासों से वृक्षारोपण और पेड़ों के संरक्षण का कार्य लगातार आगे बढ़ रहा है।

आंधी-तूफान में दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत, कई घायल

करनाल(एजेंसी)। करनाल में रात को आई आंधी तूफान में दो जगह अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की जान चली गई। रात को आई आंधी तूफान में दो अलग अलग जगहों पर सड़क हादसे हुए। पहला हादसा घरौंडा के गुढ़ा गांव के समीप हुआ जहां एक बाइक पर चार युवक सवार थे और उनकी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई और बिहार के रहने वाले मोहित (24) की जान चली गई तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं दूसरा हादसा जीटी रोड पर तरावड़ी के समीप हुआ। जहां एक कैंटर सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गया, कैंटर चालक कैंटर के केबिन में फंस गया और उसकी मौत हो गई, फिलहाल कैंटर चालक कहां का है इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस जांच कर रही है।

कच्छ के क्रीक इलाके में मिली लावारिस पाकिस्तानी नाव, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले के संवेदनशील तटीय क्षेत्र में बुधवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी नाव लावारिस हालत में मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सूत्रों के अनुसार यह नाव भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक इलाके में पाई गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच एजेंसियां मामले की गहन पड़ताल में जुट गई हैं। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवान नियमित गश्त पर थे, तभी उन्हें क्रीक क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में एक नाव दिखाई दी। जवानों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर नाव की तलाशी ली। प्रारंभिक जांच में नाव से मछली पकड़ने से जुड़ा सामान बरामद हुआ है। हालांकि अब तक किसी प्रकार की संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि नाव किस परिस्थिति में भारतीय सीमा तक पहुंची और इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है। नाव को कब्जे में लेकर तकनीकी और फॉरेंसिक जांच भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक क्षेत्र अक्सर घुसपैठ और अवैध गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार भारतीय मछुआरों को अरब सागर के क्रीक इलाके में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन कई बार पाकिस्तानी मछुआरे मछली पकड़ने के लिए भारतीय सीमा में घुस आते हैं। ऐसे मामलों में सुरक्षा बलों की गश्ती टीम को देखकर पाकिस्तानी मछुआरे अपनी नाव छोड़कर वापस पाकिस्तान की ओर भाग जाते हैं। घटना के बाद समुद्री और तटीय क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां आसपास के इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

1200 करोड़ की कोडीन तस्करी मामले में 6 के खिलाफ चार्जशीट

लखनऊ (एजेंसी)। एसटीएफ ने बहुचर्चित कोडीन कफ सिरप तस्करी सिंडिकेट मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए, जीआर ट्रेडिंग के मालिक विभोर राणा सहित छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह गिरोह 2019 से सक्रिय था और इसने 1200 करोड़ रुपए से अधिक के सिरप की तस्करी को अंजाम दिया। चार्जशीट में विभोर राणा के अतिरिक्त सचिन कुमार (मारुति मेडिकोज), अभिषेक शर्मा (एबी फार्मास्यूटिकल), विशाल सिंह, बिट्टू कुमार और शुभम शर्मा के नाम शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह ने 400 करोड़ रुपए के सिरप खरीदकर उन्हें 1200 करोड़ रुपए से अधिक में बेचा। तस्करी का यह जाल नेपाल और बांग्लादेश तक फैला था, जिसके बैंक खातों और मार्गों की विस्तृत जानकारी मिली है। मामले में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह सहित तीन अन्य पहले से जेल में हैं। एसटीएफ जल्द ही पूरक चार्जशीट दाखिल करेगी। विदेश में छिपे शुभम जायसवाल समेत तीन के पासपोर्ट निरस्त कर लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है और उन्हें वापस लाने की कवायद जारी है।

फतेहपुर गैंगरेप मामले में मुख्य आरोपी भूत पुलिस मुठभेड़ में घायल

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मंगेतर के साथ घूमने गई युवती से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत को पुलिस ने एक मुठभेड़ में घायल कर दिया है। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था और वह पिछले 12 दिनों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि खागा गैंगरेप का मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत खागा क्षेत्र में छिपा हुआ है। घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में हुई जवाबी कार्रवाई में बबलू सिंह के दोनों पैरों में गोली लग गई। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और 1600 रुपये नकद बरामद किए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है। दरअसल, 24 अप्रैल को खागा क्षेत्र में ससुर खदेरी नदी के पास एक युवती से उसके मंगेतर के सामने गैंगरेप किया गया था।

जनगणना-2027 का शुभारंभ: सीएम योगी बोले, यह समग्र और समावेशी विकास का आधार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। हमारी जनगणना, हमारा विकास की भावना के साथ मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का श्रीगणेश किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का सशक्त आधार है।

सीएम योगी ने कहा कि आज का युग डेटा आधारित निर्णयों का है, और जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह विकास की धारा में समाज के अंतिम व्यक्ति की समान सहभागिता सुनिश्चित करने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल

जनगणना हो रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य होने है। आमजन को 07 से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते है। इसके उपरांत जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करने वाले है। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है, साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या करीब 25 करोड़ 70 लाख है। यह व्यापक कार्य प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों सहित 1 लाख 4 हजार राजस्व ग्रामों में संपादित किया जाएगा। इस सफल संचालन हेतु लगभग 5.47 लाख कार्मिकों की तैनाती की जा रही है, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर तथा 12 हजार राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। लगभग 5.35 लाख कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

दिल्ली मंडल में चेन पुलिंग पर सख्त कार्रवाई: 1483 लोग गिरफ्तार, यात्रियों को चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने ट्रेन में अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस साल 2026 के शुरुआती चार महीनों में ही 1483 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2025 में आंकड़ा 5180 था। रेलवे ने चेतावनी दी है कि अनावश्यक रूप से चेन खींचने पर रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत एक साल तक की जेल, 1000 रुपये का जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं। रेलवे के अनुसार, अलार्म चेन की सुविधा केवल आग लगने, मेडिकल इमरजेंसी, आपराधिक घटना या चढ़ते-उतरते समय हुए गंभीर हादसों जैसी वास्तविक आपात स्थितियों के लिए है। हालांकि, कई यात्री अक्सर अपनी ट्रेन छूटने या बीच रास्ते में उतरने जैसी सामान्य वजहों से इसका दुरुपयोग करते हैं। इससे न केवल संबंधित ट्रेन लेट होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली अन्य एक्सप्रेस और उपनगरीय ट्रेनों का पूरा शेड्यूल भी बिगड़ता है, जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा होती है। दिल्ली रेल मंडल ने उन मार्गों और स्टेशनों की पहचान की है जहाँ यह समस्या सबसे अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, गाजियाबाद, गुरुग्राम, नई दिल्ली, पानीपत और रोहतक जैसे स्टेशन, और दिल्ली-मुजफ्फरनगर तथा नई दिल्ली-कुरुक्षेत्र रेल सेक्शन मामले में सर्वाधिक प्रभावित हैं। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी समस्या के लिए चेन खींचने के बजाय रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल करें या ऑन-ड्यूटी टीटीई से संपर्क करें। ट्रेन की चेन खींचने पर ब्रेक पाइप में हवा का दबाव कम हो जाता है, जिससे लोको पायलट को तीन बार हॉर्न बजाकर ट्रेन रोकनी पड़ती है। ट्रेनों में लगे इमरजेंसी फ्लैशर या गार्ड की जांच से तुरंत पता चल जाता है कि चेन कहाँ से खींची गई है, और रेल पुलिस बिना वजह चेन पुलिंग करने वालों को मौके पर ही पकड़ लेती है। रेलवे ने सभी यात्रियों से जिम्मेदार नागरिक बनने और इस महत्वपूर्ण सुविधा का केवल वास्तविक आपातकाल में ही उपयोग करने का आग्रह किया है।

आय छिपाने का मामला: हाईकोर्ट में थलापति विजय के खिलाफ याचिका दायर

–एफआईआर दर्ज करने की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में आए बड़े बदलाव के बीच सुपरस्टार थलापति विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के लिए नई कानूनी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। एक ओर जहां विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और हाल ही में उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है, वहीं दूसरी ओर मद्रास हाईकोर्ट में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर एक रिट याचिका दायर की गई है।

यह याचिका चेन्नई निवासी एम. राजकुमार द्वारा दाखिल की गई है, जिसमें अभिनेता विजय पर साल 2015 के दौरान अपनी वास्तविक आय और वित्तीय लेन-देन छिपाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह विवाद मुख्य रूप से उनकी फिल्म पुली की रिलीज के समय का है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि आयकर विभाग विजय के खिलाफ आधिकारिक अभियोजन शुरू करे और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करें। साथ ही, यह भी अनुरोध किया गया है कि आयकर विभाग जब्त की गई सामग्रियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे ताकि मनी लॉन्ड्रिंग के संभावित पहलुओं की जांच की जा सके। मद्रास हाईकोर्ट की रजिस्ट्री ने बुधवार को इस रिट याचिका को नंबर दे दिया है और जल्द ही इस पर सुनवाई होने की संभावना है। इससे पहले, मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने 8 अप्रैल को रजिस्ट्री को इस याचिका को स्वीकार करने के निर्देश दिए थे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सत्ता संभालने की तैयारियों के बीच विजय के खिलाफ इन पुराने मामलों का फिर से उभरना उनके भविष्य के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें हाईकोर्ट के अगले रुख पर टिकी हैं। मामले की जड़ें 30 सितंबर 2015 को आयकर विभाग द्वारा विजय के आवास और कार्यालयों पर की गई छापेमारी से जुड़ी हैं। विभाग को तलाशी के दौरान ऐसे दस्तावेज मिले थे जिनसे संकेत मिला कि पुली के निर्माताओं ने विजय को चेक के माध्यम से दी गई फीस के अलावा 4.93 करोड़ रुपये नकद दिए थे। उस समय मेकर्स ने केवल चेक की राशि पर टीडीएस जमा किया था। पूछताछ के दौरान विजय ने कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये नकद लेने की बात स्वीकार की थी और उस पर टैक्स देने की सहमति जताई थी। विवादों को सुलझाने के लिए विजय ने वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए 15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय घोषित की थी। हालांकि, बाद में जब उन्होंने अपनी आय का रिटर्न दाखिल किया, तो उन्होंने फैंस क्लब के खर्चों और संपत्तियों के अवमूल्यन पर छूट की मांग की। आयकर विभाग ने इन दावों को खारिज करते हुए उन पर जुर्माना लगा दिया था।

इस्तीफा देने के बाद भी हाईकोर्ट में जज बने हुए हैं जस्टिस वर्मा, सूची में तीसरा नाम

–अब तक राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से वर्मा के इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है

प्रयागराज (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट का जज रहते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर बड़े पैमाने पर कैश मिला था। वहीं कुछ कैश जला हुआ भी पाया गया था और इसे लेकर सवाल उठे तो उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया था। वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की प्रक्रिया भी लाने पर विचार हुआ। इस बीच पिछले दिनों उन्होंने खुद ही जस्टिस के पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह अब भी जज बने हुए हैं। ऐसा शायद इसलिए है क्योंकि अब तक राष्ट्रपति की ओर से उनके इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इलाहाबाद हाईकोर्ट में जजों की तैनाती इलाहाबाद और लखनऊ में है। लखनऊ खंडपीठ में 28 जजों की तैनाती है, जबकि इलाहाबाद में 79 जज हैं। हाईकोर्ट के पोर्टल पर इलाहाबाद स्थित जजों की सूची में अब भी जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम तीसरे स्थान पर है उनसे ऊपर जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अरिंदम सिन्हा का नाम है। ऐसा शायद इसीलिए है क्योंकि अब तक जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा लंबित है और उस पर कोई फैसला नहीं हो सका है।

बता दें जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कि आपके शुचितापूर्ण दफ्तर पर किसी तरह की ऐसी चीजें पहुंचे, जो गलत हों। मुझे बेहद दुख है कि ऐसी चीजों में मेरा नाम लिया गया। ऐसी स्थिति में मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के पद से इस्तीफा देता हूं। जस्टिस वर्मा ने अपने इस्तीफे में तत्काल प्रभाव वाली बात लिखी थी। नियम के मुताबिक उन्हें तत्काल ही जज की सूची से हट जाना चाहिए।

इसके अनुसार यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति के नाम लिखता है तो वह जिस तारीख से उसके लागू होने की बात करेगा, उसी दिन से वह माना जाएगा। यदि वह तत्काल प्रभाव वाली बात लिखता है तो फिर वही लागू होगी। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने 15 फरवरी, 1978 को जस्टिस गोपाल चंद्र मिश्रा के केस में फैसला दिया था और बताया था कि यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजता है तो फिर उसे निश्चित तारीख से माना जाएगा। बता दें जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच में सुनवाई भी हुई थी। उन्होंने

अपने फैसले में जस्टिस यशवंत वर्मा की फाइल को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के समक्ष भेजा था और कहा था कि उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर चेताया, भारत न भूलता है, न माफ करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई 2025 में सीमा पार आतंकी ठिकानों पर की गई ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को आज एक साल पूरा हो गया है। इस अवसर पर भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना ने एक विशेष वीडियो साझा कर दुनिया और विशेष रूप से शत्रु देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अपनी सुरक्षा और अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। वायुसेना ने अपने आधिकारिक संदेश में बेहद सख्त लहजे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि भारत न कुछ भूलता है और न ही किसी को माफ करता है। यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को मजबूती से दोहराता है। जारी किए गए वीडियो की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संबोधन से होती है, जिसमें उन्होंने देश की इच्छाशक्ति को प्रकट करते हुए कहा था कि भारत आतंकियों और उनके मददगारों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और उनका खात्मा करेगा। यह संकल्प केवल एक बयान नहीं, बल्कि भारत की नई सैन्य कूटनीति की आधारशिला बन गया है। पिछले साल मई में भारतीय जांबाजों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सीमा पार सक्रिय आतंकी लॉन्च पैड्स और उनके ठिकानों को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया था। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी सर्जिकल प्रिसिजन (सटीकता) थी, जिससे बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के केवल लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। वायुसेना ने इसे सटीक कार्रवाई और शाश्वत यादों वाला ऑपरेशन बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कार्रवाई ने दक्षिण एशिया के सुरक्षा समीकरणों को हमेशा के लिए बदल दिया है। सेना और वायुसेना का यह साझा संदेश उन ताकतों के लिए चेतावनी है जो सीमा पार से अस्थिरता फैलाने की कोशिश करते हैं। वीडियो के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि भारत अब केवल रक्षात्मक नहीं रहा, बल्कि प्रो-एक्टिव होकर खतरे को उसकी जड़ में खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है। यह ऑपरेशन साबित करता है कि भारत के पास अब ऐसी तकनीकी और सामरिक ताकत है, जिससे वह किसी भी हिमाकत का तत्काल और करारा जवाब दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर की यह बरसी न केवल जवानों के साहस को नमन करती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि भारत अब दुश्मन के घर में घुसकर प्रहार करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति रखता है।

बंगाल में बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में 4,000 पुलिसकर्मी होंगे तैनात

–ग्राउंड के प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता स्थित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए इस मैदान को प्रभावी भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए करीब 30 सेक्टरों में बांटा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में

करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर की निगरानी पुलिस उपायुक्त या सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी करेंगे। अधिकारी ने बताया कि जरुरत पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकती है। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस कार्यक्रम की सुरक्षा रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। समारोह में भारी भीड़ जुटने की संभावना है। प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे, जबकि पूरे स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी।

अधिकारी ने बताया कि व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं कि मैदान के अंदर कोई प्रतिबंधित या खतरनाक वस्तु न लाई जा सके। आसपास की इमारतों की छतों से भी निगरानी की जाएगी। पुलिस ने बताया कि यातायात जाम से बचने के लिए शनिवार को इलाके में यातायात प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं और मार्ग परिवर्तन भी किया जा सकता है।

'दीदी आप हारी नहीं', ममता बनर्जी को हौसला देकर बोले अखिलेश यादव, बीजेपी के खिलाफ लड़ाई रहेगी जारी

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री को भावनात्मक समर्थन दिया। अखिलेश ने ममता और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी से कोलकाता स्थित टीएमसी अध्यक्ष के आवास पर मुलाकात की। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी के आधिकारिक सूत्रों ने अखिलेश यादव से कहा कि दीदी, आप हारी नहीं हैं।

उन्होंने आगे बताया कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी से मुलाकात के दौरान, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभिषेक से कहा, ''आप सभी ने कितनी सराहनीय लड़ाई लड़ी है।'' अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल में जो हुआ है, उससे लोकतंत्र को नष्ट करने का रास्ता मिल गया है। शायद ही किसी ने लोकतंत्र को इतना नुकसान पहुंचाया हो जितना भाजपा ने। वे कभी किसी महिला के उत्थान को नहीं देख सकते। यहां मतदान तो हुआ है, लेकिन लोगों ने अपनी इच्छा से ज़्यादा दबाव में आकर मतदान किया है। अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी एकता के प्रति अपना समर्थन दोहराया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने का संकल्प लिया है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की सीटें घटकर 80 रह गईं। पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह नौ मई को यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा, जो दशकों तक राजनीतिक हाशिये पर रहने के बाद राज्य में भगवा खेमे के सत्ता में आने का प्रतीक होगा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, हालांकि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह अब भी रहस्य बना हुआ है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को इस पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वप्न दासगुप्ता के नाम भी इस दौड़ में शामिल हैं।

पंजाब चुनाव में 10 महीने बचे हैं, अब नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ो

–राघव चड्ढा एपिसोड और बंगाल चुनाव नतीजे केजरीवाल को करने लगे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के विधायकों को याद दिलाया है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में महज 10 महीने बचे हैं। मतलब, नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ना है। बचे हुए वक्त में सारे ही चुनावी वादे पूरे करने की कोशिश है। चुनावी वादों के हिसाब से देखें तो दिल्ली में कुछ अधूर वादे रह गए थे। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले ही अरविंद केजरीवाल ने कई चुनावी वादों पर काम करना शुरू किया था। 2025 के दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल ने यह भी माना था कि दिल्ली में तीन काम उनसे अधूरे रहे गए. एक- यमुना की सफाई, दो-साफ हवा और तीसरा-दिल्ली की सभी कॉलोनियों में साफ पानी पहुंचाना।

बता दें असल में राघव चड्ढा एपिसोड और पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे, केजरीवाल को परेशान करने लगे हैं। दिल्ली की हार के दर्द से अभी पूरी तरह राहत भी नहीं मिली थी कि राघव चड्ढा ने नया दर्द दे दिया और पश्चिम बंगाल के नतीजे तो लगता है कुछ ज्यादा ही असर डाल रहे हैं। पंजाब के आप विधायकों से मुलाकात में केजरीवाल ने टीएमसी नेता ममता बनर्जी और दिल्ली चुनाव में अपनी हार को मिलता जुलता करार दिया और अब पंजाब को लेकर भी केजरीवाल को बंगाल जैसी ही आशंका सता रही है। लिहाजा आम आदमी पार्टी के विधायकों को अभी से अलर्ट मोड में डाल दिया है।

बता दें राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा सहित 7 सांसदों ने हाल ही में आम आदमी पार्टी से बगावत किया, और बीजेपी में शामिल हो गए। बाद में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले और बीजेपी में शामिल होने वाले सभी सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। बात सिर्फ राघव चड्ढा और साथियों के अरविंद केजरीवाल की बनाई लक्ष्मण रेखा लांघने की नहीं है, उसके आगे खतरे और भी हैं जो आप को भारी पड़ सकते हैं और जरूरी नहीं कि नुकसान आने वाले पंजाब चुनाव में ही नुकसान हो, पहले भी संभव है।

रिपोर्ट के मुताबिक आम आदमी पार्टी के विधायकों से बातचीत के आधार पर एक रिपोर्ट फाइल की है। बातचीत में विधायकों ने आप के अंदर पड़ी दरार और कलह के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, विधायकों के सामने चुनौतियों और उनकी समस्याओं का भी पता चला है। ध्यान देने वाली बात यह है कि विधायकों के मुताबिक ज्यादातर समस्याएं राघव चड्ढा और संदीप पाठक के आम आदमी पार्टी छोड़ देने के बाद पैदा हुई हैं।

आम आदमी पार्टी के एक विधायक ने संवादहीनता की तरफ इशारा किया। विधायक का कहना था, हमारे पास अपनी बात रखने के लिए कोई मंच नहीं है। हमें चुप रहने को कहा जाता है। लीडरशिप को जमीन पर क्या हो रहा है, उसकी पूरी जानकारी नहीं है। कई विधायकों का कहना है कि लीडरशिप तक अपनी बात पहुंचाना मुश्किल है। लीडरशिप तक सीमित पहुंच के कारण, पार्टी वालंटियर्स में असंतोष बढ़ा है। विधायकों की शिकायत है कि पार्टी के सत्ता में आने के फौरन बाद ही निराशा का दौर शुरू हो गया था, क्योंकि वालंटियर्स को तभी से किनारे कर दिया गया।

विधायकों का मानना है कि 7 में से सिर्फ दो सांसद ही संगठन की पृष्ठभूमि के थे, राघव चड्ढा और संदीप पाठक। विधायकों का सवाल है, बाकियों को क्यों चुना गया? और शिकायत है, सरकार बनने के बाद हुए उपचुनावों में भी जमीनी कार्यकर्ताओं के बजाय दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को टिकट दिया गया।

विधायकों की बातचीत से मालूम होता है

कि ऊपर से जो कुछ लग रहा है, आम आदमी पार्टी पर खतरा कहीं ज्यादा है. क्योंकि, राघव चड्ढा और संदीप पाठक का पंजाब में पूरे संगठन पर अच्छा खासा प्रभाव था और यह बात पंजाब में नेताओं को शुरू से ही महसूस होती रही है। मालूम होता है कि पंजाब में असंतोष मनीष सिसोदिया के प्रभारी बन जाने के बाद बढ़ा है। संदीप पाठक के एक सहयोगी का कहना है कि पंजाब प्रभारी के पद से उनको हटाया जाना मुसीबत की जड़ था। दिल्ली की हार के बाद अरविंद केजरीवाल को पंजाब की चिंता सताने लगी थी और मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाए जाने की एक वजह यह भी थी. हां, उनको एडजस्ट भी तो करना था। यही बात संदीप पाठक को बुरी लगी, और राघव चड्ढा ने उनके मनमाफिक सपना दिखा दिया। अरविंद केजरीवाल हाथ मलते रह गए।

रैग पिकर्स के बच्चों को शिक्षा देने के लिए नगर आयुक्त ने किया सेंटर का शुभारंभ

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने वैशाली में स्थित ट्रिपल आर सेंटर का निरीक्षण किया, जहां पर दूध की वेस्ट थैली तथा फ्लेक्स के वेस्ट का उपयोग करते हुए सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से उपयोगी थैले बनाए जा रहे है। साथी फाउंडेशन तथा एसजीएस आत्मनिर्भर एनजीओ की टीम का उत्साहवर्धन किया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि इस प्रकार के थैली न केवल उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं बल्कि पॉलिथीन मुक्त शहर बनाने में भी सहयोग कर रहे हैं। रिड्यूस रीयूज रीसाइकिल की मुहिम के क्रम में वैशाली स्थित ट्रिपल आर सेंटर पर शहर निवासी अपनी अनुपयोगी

वस्तुओं को डोनेट कर रहे हैं। वही अनुपयोगी वस्तुएं उपयोग में लाई जा रही है। जरूरतमंद उनका सही उपयोग कर रहे हैं। वैशाली ट्रिपल आर केंद्र के समीप ही फ्फ्फ्रस्किल एंड एजुकेशन सेंटर का भी शुभारंभ

किया गया, जिसमें रैग पिकर्स के 50 से अधिक बच्चों को शिक्षा देने का कार्य निगम द्वारा किया जा रहा है, जिसमें शक्ति फाउंडेशन से अनुराग कश्यप भी सहयोग कर रहे है। उपस्थित टीम को जनहित में बेहतर कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दी गई। साथ ही उपस्थित रैग पिकर्स के बच्चों से बात करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया तथा शिक्षा के प्रति और खेल के प्रति जागरूक किया। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा जहां शहर वासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है और शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का कार्य भी किया जा रहा है, वही रैग पिकर्स के बच्चों की शिक्षक की जिम्मेदारी को भी निभाया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी निगम के अभियानों में जोड़कर सहयोग किया जा रहा है। मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश व स्वच्छ भारत मिशन की टीम उपस्थित रही।

एचपीडीए की ओटीएस योजना से डिफाल्टर आवंटियों को बड़ी राहत, 19 ने किया आवेदन

एचपीडीए प्रभारी सचिव अमित कादियान

एचपीडीए उपाध्यक्ष मुकेश चंद्रा

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) ने आवासीय संपत्तियों के डिफाल्टर आवंटियों को राहत देने के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू की है। यह योजना 18 अप्रैल से शुरू होकर आगामी 18 जुलाई तक प्रभावी रहेगी। योजना के तहत अब तक 19 डिफाल्टर आवंटियों ने आवेदन कर लाभ लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एचपीडीए उपाध्यक्ष मुकेश चंद्रा ने बताया कि शासन के निर्देश पर यह योजना लागू की गई है, ताकि प्राधिकरण की आवासीय योजनाओं में बकाया जमा न कर पाने वाले आवंटियों को राहत मिल सके। उन्होंने सभी पात्र आवंटियों से समय रहते योजना का लाभ उठाने की अपील की। एचपीडीए के प्रभारी सचिव अमित कादियान ने जानकारी देते हुए बताया कि एचपीडीए की विभिन्न आवासीय योजनाओं में करीब 171 डिफाल्टर आवंटी चिन्हित किए गए हैं। इन सभी को योजना का लाभ लेने के लिए सूचित भी किया गया है। उन्होंने बताया कि ओटीएस योजना के तहत डिफाल्टर आवंटियों से केवल साधारण ब्याज लिया जाएगा, जबकि दंड ब्याज पूरी तरह माफ रहेगा। साधारण ब्याज वही होगा जो संपत्ति आवंटन के समय किस्त निर्धारण के अनुसार तय किया गया था। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि यह योजना केवल आवासीय संपत्तियों तक सीमित नहीं है, बल्कि मानचित्र डिफाल्टर प्रकरणों पर भी लागू रहेगी। ऐसे आवंटी भी योजना का लाभ लेकर अपने लंबित मामलों का निस्तारण करा सकते हैं। एचपीडीए प्रशासन ने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए अंतिम तिथि 18 जुलाई निर्धारित की गई है। इसके बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। इसलिए सभी डिफाल्टर आवंटियों से समय सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की गई है।

कामर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों के खिलाफ व्यापारियों का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में बढ़ती महंगाई और कालाबाजारी के विरोध में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश की जिला कार्यकारिणी ने गुरुवार को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कविता मीणा को सौंपा। व्यापारियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लेने समेत कई मांगें उठाईं। प्रतिनिधिमंडल ने डीएम को अवगत कराया कि व्यवसायिक गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से कुटीर उद्योग, घरेलू उद्योग, मझौले उद्योग, होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, कैटरिंग व्यवसाय, डेरी संचालक और ठेलों पर खाद्य सामग्री बेचने वाले कारोबारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। व्यापारियों का कहना है कि लगातार बढ़ती लागत के कारण छोटे कारोबार बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। ज्ञापन में बताया गया कि केंद्र सरकार द्वारा 1 मई 2026 से कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम अचानक बढ़ाकर 2080

रुपये से 3171 रुपये प्रति सिलेंडर कर दिए गए, जिससे व्यापारियों में भारी रोष है। व्यापारियों ने मांग की कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई दरों को तत्काल वापस लिया जाए तथा महंगाई और कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाई जाए। इसके अलावा विवाह समारोह, होटल, अस्पताल, स्कूल और अन्य आवश्यक संस्थानों को मांग के अनुसार गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन में यह भी मांग रखी गई कि गोदाम से गैस डिलीवरी लेने पर एजेंसियों को दिए जाने वाले भाड़े को कमर्शियल गैस बिलों में समायोजित किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। व्यापारियों ने कमर्शियल गैस पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की भी मांग की। संगठन ने सरकार से गैस के वैकल्पिक संसाधनों की खोज के लिए अनुसंधान समिति गठित करने तथा गैस की कमी को देखते हुए उद्योगों को पुराने वैकल्पिक ईंधन इस्तेमाल करने की पांच वर्षों तक अनुमति देने की मांग भी उठाई। इसके लिए प्रदूषण विभाग और एनजीटी के नियमों में अस्थायी छूट देने का अनुरोध किया गया।इस दौरान अध्यक्ष बिजेंद्र पंसारी, युवा व्यापारी नेता दीपाशु गर्ग, राकेश पंसारी, गोविंद अग्रवाल, सौरभ गोयल, संदीप अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अशोक कुमार और सुनील जैन समेत अनेक व्यापारी मौजूद रहे।

नौ वर्षों में बनी यूपी की नई पहचान को जनता बरकरार रखे : योगी आदित्यनाथ

देवबंद/सहारनपुर (शिखर समाचार)

योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को देवबंद में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में 2131 करोड़ रुपये की लागत वाली 325 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की नई पहचान बनी है और जनता को इस माहौल को बनाए रखने के लिए आगामी चुनावों में भाजपा को समर्थन देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बिना किसी भेदभाव के सुशासन दे रही है तथा प्रदेश में सुरक्षा, निवेश और विकास का वातावरण स्थापित हुआ है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश दंगे, कर्फ्यू और

पलायन के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यहां शांति, व्यापारियों की सुरक्षा, औद्योगिक निवेश, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार नई पहचान बन चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब माफिया और गुंडाराज से मुक्त हो चुका है तथा सरकार की प्राथमिकता गरीबों, पिछड़ों और वंचितों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर की वुड कार्विंग उद्योग की सराहना करते हुए कहा कि इस कला ने देश और दुनिया में अलग पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छह लेन वाले दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे का लोकार्पण किया था। इसके अलावा सहारनपुर में मां शाकंभरी विश्वविद्यालय, सरसावा में नए हवाई अड्डे, बेहट में स्पोर्ट्स कॉलेज तथा मां शाकंभरी देवी मंदिर तक एलिवेटेड हाईवे और कॉरिडोर निर्माण का कार्य भी चल रहा है।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार तुष्टिकरण नहीं बल्कि संतुष्टिकरण की नीति पर कार्य कर रही है। प्रदेश में नियुक्तियों और तबादलों में भ्रष्टाचार समाप्त हुआ है और पारदर्शिता के साथ कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में कांवड़ यात्रा और जन्माष्टमी जैसे आयोजनों को रोकने की किसी की हिम्मत नहीं होती। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान और एसएसपी अभिनव सिंह ने मुख्यमंत्री का नटराज प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री को शॉल और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जसवंत सैनी, सुनील शर्मा, बृजेश सिंह, अजीत सिंह राणा, संजय गर्ग, अजय सिंह, मांगेराम चौधरी, विपिन गर्ग, मुकेश चौधरी, राजीव गुंबर, प्रदीप चौधरी, सत्येंद्र सिसौदिया, शीतल बिश्नोई, रविंद्र मोल्लू, जगपाल सिंह, साहब सिंह सैनी, धर्मसिंह सैनी, नरेश सैनी, वंदना वर्मा, डीके शर्मा और संजीव वालिया सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री करीब दो घंटे तक देवबंद में रहे और कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

मोहित अग्रवाल बने एलायंस क्लब 142 एन के वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर थर्ड

सर्वसम्मति से हुआ चयन, सदस्यों ने दी शुभकामनाएं

हापुड़ (शिखर समाचार)।

एलायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 142 एन की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सामाजिक एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर थर्ड के चुनाव की प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें सभी सदस्यों की सहमति से मोहित अग्रवाल को सर्वसम्मति से वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर थर्ड चुना गया। उनके चयन पर क्लब सदस्यों में खुशी का माहौल रहा और सभी ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि मोहित अग्रवाल का नेतृत्व अनुभव, सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण और

सक्रिय सोच क्लब को नई दिशा देने का कार्य करेगी। उन्होंने हमेशा समाजसेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लिया है तथा युवाओं को भी सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया है।

नवनियुक्त वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर थर्ड मोहित अग्रवाल ने कहा कि एलायंस क्लब उनके लिए केवल एक संस्था नहीं बल्कि परिवार के समान है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे तथा हापुड़ में एलायंस क्लब का नाम और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर इंटरनेशनल चेयरमैन अनिल वाजपेयी, इंटरनेशनल डायरेक्टर अजय बंसल, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर भगवंत गोयल, राहुल गुप्ता, विशेष गोयल, आराधना वाजपेयी, सुनीता शर्मा, सुनीता स्वामी, सचिन अग्रवाल, सौरभ मित्तल, अनुज गोयल, नितिन गर्ग, दीपक गर्ग और भुवन जैन सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

स्व गणना 2027 का आगाज, मकान सूचीकरण के साथ पहले चरण की शुरूआत

बिजनौर। (शिखर समाचार) जनपद में जनगणना 2027 के पहले चरण के अंतर्गत स्व-गणना 2027 कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हो गया। नगर पालिका परिषद बिजनौर द्वारा संचालित इस अभियान के तहत 7 मई से 21 मई तक मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा।

बृहस्पतिवार को नगर पालिका परिषद के डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में आयोजित विशेष कार्यक्रम में अभियान की शुरूआत की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिशासी अधिकारी विकास कुमार ने की। इस दौरान पालिका प्रशासन और सभासदों ने मिलकर स्व-गणना कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की तथा अभियान को सफल बनाने के लिए जनसहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते

हुए अधिशासी अधिकारी विकास कुमार ने कहा कि सटीक जनगणना किसी भी देश और प्रदेश के विकास की आधारशिला होती है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही सरकार विभिन्न योजनाओं, संसाधनों और विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से ही यह राष्ट्रीय कार्यक्रम सफल हो सकता है। उन्होंने उपस्थित सभासदों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करें और स्व-गणना प्रक्रिया में सहयोग के लिए प्रेरित करें, ताकि सही और प्रमाणिक आंकड़े उपलब्ध हो सकें। कार्यक्रम में सभासद सुरेंद्र सिंह, करुणा शर्मा, मानव सचदेवा, शहजाद अहमद, कासिम साहू, नीरज शर्मा, सुजीत चौधरी, मनी चौधरी और राजू अग्रवाल मौजूद रहे। इसके अलावा कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह, अधिशासी अभियंता (जलकल) गौरव शर्मा तथा पत्रकार अनुज चौधरी, संजीव वर्मा और ज्योति लाल शर्मा ने भी स्व-गणना प्रक्रिया में सहभागिता की। पालिका प्रशासन ने बताया कि पहले चरण में जनपद के सभी मकानों का सूचीकरण किया जाएगा, जिससे आगामी जनगणना कार्य को सुचारु रूप से पूरा किया जा सके।

मेपल्स एकेडमी में छात्रों ने जाना फॉरेंसिक जांच का आधुनिक तरीका

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के कांधला रोड स्थित मेपल्स एकेडमी में फॉरेंसिक विज्ञान विषय पर इंटरएक्टिव फ्यूचर प्लानिंग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नीदरलैंड से आए फॉरेंसिक डाइविंग विशेषज्ञ डॉ. मार्को पॉट ने छात्रों को आधुनिक अपराध जांच तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी।कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के करियर मार्गदर्शन के उद्देश्य से आयोजित इस सत्र में डॉ. मार्को पॉट ने पानी के भीतर होने वाले अपराधों की जांच में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक तकनीकों से छात्रों को अवगत कराया। उन्होंने सोनार तकनीक, रोबोटिक्स और अन्य उन्नत उपकरणों की मदद से अपराध जांच की प्रक्रिया को सरल और रोचक ढंग से समझाया।

सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए फॉरेंसिक विज्ञान और अपराध जांच से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञ ने विस्तार से उत्तर दिया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधक राजीव गर्ग, अनन्या गर्ग, प्रधानाचार्या डॉ. गरिमा वर्मा, उप प्रधानाचार्य क्षितिज श्रीवास्तव, कपिल मित्तल सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

41 वोटों से पराग अग्रवाल की शानदार जीत, वार्ड 12 में निकला विजय जुलूस

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर नगर पंचायत के वार्ड नंबर-12 मोहल्ला सराय नैन सिंह में हुए सभासद उपचुनाव में पराग अग्रवाल उर्फ डब्बू ने शानदार जीत दर्ज की। गुरुवार सुबह घोषित हुए परिणामों में पराग अग्रवाल ने अपने प्रतिद्वंद्वी देवेश गोयल को 41 वोटों से हराया।

चुनाव परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और बाजार में विजयी जुलूस निकालकर जमकर उत्सव मनाया गया। समर्थकों ने फूल-मालाओं और नारों के साथ पराग अग्रवाल का स्वागत किया।

उपचुनाव में पराग अग्रवाल को 478 वोट प्राप्त हुए, जबकि देवेश गोयल को 437 वोट मिले। तीसरे प्रत्याशी मोहित को 12 वोट मिले। वहीं 51 मत निरस्त हुए और 3 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना। चुनाव में कुल 981 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बताया गया कि वार्ड के पूर्व सभासद उमेश तायल का कुछ समय पूर्व बीमारी के चलते निधन हो गया था, जिसके बाद यह सीट रिक्त हुई थी। इसी के चलते मंगलवार को तहसील के पास स्थित प्राथमिक विद्यालय में मतदान कराया गया था।

श्री रघुनाथ मंदिर सभा की प्रभात फेरी में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

शामली। (शिखर समाचार) शहर की पंजाबी कॉलोनी स्थित श्री रघुनाथ मंदिर सभा द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव 2026 के उपलक्ष्य में गुरुवार सुबह भव्य प्रभात फेरी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्रीराम के जयकारों से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। प्रभात फेरी का शुभारंभ श्री रघुनाथ मंदिर प्रांगण में विधिवत पूजा अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए कॉलोनी के विभिन्न मार्गों से निकले। प्रभात फेरी सभा के प्रधान सुभाष चुग के आवास पर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। इसके पश्चात यात्रा मंदिर सभा के कोषाध्यक्ष यशपाल ठकराल के निवास स्थान पर पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालु भगवान श्रीराम के भजनों का गुणगान करते हुए आगे बढ़ते रहे। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर प्रभात फेरी का स्वागत किया गया। धार्मिक माहौल और भक्तिमय वातावरण के चलते क्षेत्र पूरी तरह आस्था के रंग में रंगा नजर आया। मंदिर सभा की ओर से बताया गया कि आगामी 8, 9 और 10 मई को मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं की सहभागिता रहेगी। इस अवसर पर सभा के संरक्षक दिनेश पाठक, राधेश्याम भारती, कृष्ण जुनेजा, राकेश परुथी, ओमप्रकाश जुनेजा, शम्मी सेठ, सेवाराम, राजेश सेठी, संगीता अरोरा, सुमन पाठक, राहुल दीवाना सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

घर से बुलाकर युवक को मारी गोली, किशोर हिरासत में

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र के पूठरी गांव में रिश्तेदारी के विवाद में एक किशोर ने युवक को घर से बुलाकर गोली मार दी। घायल युवक को गंभीर हालत में गाजियाबाद के निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी किशोर को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। पूठरी गांव निवासी 35 वर्षीय प्रशांत चौधरी गुरुवार रात करीब 10 बजे घर पर सोने की तैयारी कर रहा था। तभी उसका रिश्तेदार किशोर घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाकर प्रशांत को बाहर बुलाया। प्रशांत की पत्नी पिंकी के अनुसार किशोर ने कहा कि उसके पिता जरूरी बात करना चाहते हैं और काफी देर से मोबाइल फोन मिलाया जा रहा है। जैसे ही प्रशांत फोन देखने लगा, तभी किशोर ने तमंचा निकालकर उसके पेट में गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद आरोपी स्कूटी से फरार हो गया। भागते समय वह तमंचा भी घटनास्थल पर छोड़ गया। सूचना मिलने पर एसीपी भास्कर वर्मा, थाना प्रभारी कृष्ण कुमार और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल की पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी किशोर को हिरासत में ले लिया है।

ऑपरेशन सवेरा के तहत शाहपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 25 लाख की अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। सहारनपुर परिक्षेत्र में डीआईजी अभिषेक सिंह के निर्देशन में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा अभियान के तहत थाना शाहपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2.640 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई जा रही है। बुधवार रात शाहपुर पुलिस सोरम गेट क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से भारी मात्रा में अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान माधव कुम्हार पुत्र बहरूलाल निवासी ग्राम सारण, जिला चित्तौड़गढ़, राजस्थान के रूप में हुई। आरोपी के खिलाफ थाना शाहपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी के खिलाफ पहले भी थाना थानाभवन, जनपद शामली में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक ने प्रेस वार्ता में बताया कि जनपद में नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने और समाज को सुरक्षित रखने के लिए पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई कर रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह राजस्थान से अफीम लाकर विभिन्न क्षेत्रों में बेचता था। इस बार वह अफीम बेचने के लिए बुढ़ाना क्षेत्र में आया था, लेकिन पुलिस की सतर्कता से पकड़ा गया। कार्रवाई करने वाली टीम में थाना प्रभारी गजेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक अनिकेत धारीवाल, कांस्टेबल अरुण कुमार, विजय सिंह और जितेन्द्र कुमार शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

यूपीडा ने जारी कीं टोल दरें, 24 घंटे में गुजर रहे हैं 7000 वाहन

मेरठ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे के बदायूं से मेरठ तक विभिन्न एंट्री और एग्जिट पॉइंट के लिए टोल दरें जारी कर दी हैं। इन दरों की सूची सभी टोल प्लाजा पर सार्वजनिक कर दी गई है। बताया जा रहा है कि 14 या 15 मई की मध्यरात्रि से गंगा एक्सप्रेसवे के सभी टोल प्लाजा पर वाहनों से टोल वसूली शुरू हो जाएगी। फिलहाल गंगा एक्सप्रेसवे से 24 घंटे में 7000 से 8000 वाहन गुजर रहे हैं। मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे की दूरी 594 किमी है। इस एक्सप्रेसवे पर 120 किमी प्रतिघंटा की गति से वाहन दौड़ सकते हैं। यूपी का यह सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे है। खास बात यह है कि एक्सप्रेसवे पर एंट्री पर नहीं, बल्कि एग्जिट टोल प्लाजा पर टोल लिया जाएगा। यानी आप एक्सप्रेसवे पर जितनी दूर से मेरठ की तरफ आएंगे, टोल उतना ही बढ़ता जाएगा। मेरठ के बिजौली स्थित खड़खड़ी टोल प्लाजा का संचालन आईआरबी कंपनी कर रही है। बदायूं–बिनावर से मेरठ बिजौली तक पड़ने वाले टोल प्लाजा जिनमें बदायूं से चंदौसी/बहजोई, (किमी 123) से संभल/अनूपशहर (किमी 102) से गढ़मुक्तेश्वर/बुलंदशहर (किमी 54) से गाजियाबाद/हापुड़/नई दिल्ली (किमी 35) से मेरठ खड़खड़ी टोल प्लाजा तक कार से सफर करने पर सबसे कम 90 रुपये टोल देना होगा।

श्रमिकों की बेटियों को सीएम योगी का तोहफा, विवाह के लिए मिलेंगे 85 हजार रुपये

आगरा। पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की बेटियों के विवाह के लिए 85 हजार रुपए मिलेंगे। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की कन्या विवाह सहायता योजना के तहत आगामी 26 जून को सामूहिक विवाह समारोह होगा। उप श्रमायुक्त सियाराम ने बताया कि जिन श्रमिकों की बोर्ड सदस्यता को एक वर्ष पूर्ण हो चुका है, वे अपनी पुत्री या स्वयं महिला श्रमिक के विवाह हेतु आवेदन कर सकते हैं। आवेदन 222.ह्वश्चड्ढश्४2.द्बठ्ठ या जनसुविधा केंद्रों के माध्यम से किए जा सकेंगे। मुख्य शर्तें व दस्तावेज के लिए वर–वधू की आयु क्रमश : 21 और 18 वर्ष अनिवार्य। आधार प्रमाणीकरण और 90 दिन कार्य का प्रमाण पत्र जरूरी। जन्म प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की प्रति और अविवाहित होने का प्रमाण पत्र। लाभ अधिकतम दो संतानों तक ही सीमित होगा। अधिक जानकारी के लिए श्रमिक 32 गार्डन रोड स्थित कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

तेज विकास से समाज और राष्ट्र की होगी समृद्धि

गोरखपुर , एजेंसी। सीएम योगी ने कहा कि गति जितनी तेज होगी, विकास भी उतना ही तेज होगा। विकास जितना तेज होगा, उतनी ही तेजी से व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की समृद्धि होगी। इसी समृद्धि के लिए गोरखपुर का विस्तार किया जा रहा है। जंगल कौड़िया, जगदीशपुर बाईपास रोड इस विस्तार का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि एम्स, बीआरडी की सुदृढ़ता, आयुष विश्वविद्यालय और कई नई सुविधाओं के विकास से लोगों को राहत मिली है। युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के स्वावलंबन, कारोबार में वृद्धि हो रही है। ये बातें जंगल बेनी जंगल बेनी माधव में कल्याण मंडपम सहित 612.32 करोड़ रुपये की लागत वाली 71 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहीं। मंचीय कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फीता काटकर कल्याण मंडपम का औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने मंडपम का भ्रमण कर यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने कल्याण मंडपम के परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। सीएम ने कहा कि पहले गोरखपुर की पहचान मच्छर और माफिया से होती थी। अब गोरखपुर की पहचान सुरक्षा, स्वच्छता, समृद्धि और मजबूत सड़कों से है। अब यहां का नौजवान पहचान का मोहताज नहीं है बल्कि वह सीना तानकर बताता है कि वह गोरखपुर का है। उन्होंने कहा कि नकहा से फर्टिलाइजर और स्पोर्ट्स कॉलेज जाने के लिए ओवरब्रिज बन गया है। बरगदवां से नकहा होते हुए मोहद्दीपुर तक फोरलेन सड़क बन गई है। इन विकास कार्यों को पहले सोचा तक नहीं जाता था। उन्होंने कहा कि महेसरा में मुख्य मार्ग के फोरलेन बन जाने से अब यहां जाम नहीं लगता और लोगों को कोई दिक्कत नहीं होती। मुख्यमंत्री ने बताया कि महेसरा से लखनऊ जाने के लिए जल्द ही माधोपुर, हार्बर्ट बांध होते हुए राजघाट तक के लिए फोरलेन कनेक्टिविटी मिल जाएगी। इसका निर्माण जारी है और बन जाने पर महेसरा से राजघाट जाने में महज पांच मिनट लगेंगे। पहले गोरखपुर से लखनऊ जाने के लिए आठ से नौ घंटे लगते थे जबकि आज यह अधूरी तीन से साढ़े घंटे में पूरी हो जाती है। इसी तरह वाराणसी जाने में लगने वाला समय भी घटकर ढाई घंटे हो गया है। सीएम योगी ने बताया कि जंगल कौड़िया से जगदीशपुर तक बन रहे फोरलेन बाईपास से महेसरा से होकर कुशीनगर जाने में सिर्फ आधे घंटे लगेंगे ।लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को सांसद रविकिशन शुक्ल ने भी संबोधित किया।

काष्ठ कला के दम पर सहारनपुर को मिली नई पहचान : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रवीण वशिष्ठ

सहारनपुर। (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सहारनपुर जनपद की सातों विधानसभा क्षेत्रों के लिए 2131 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 500 करोड़ रुपये की 184 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 1631 करोड़ रुपये की 141 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, एक जनपद-एक उत्पाद योजना, नंद बाबा दुग्ध मिशन, नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, कन्या विवाह सहायता योजना, मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना, खाद्य प्रसंस्करण तथा आयुष्मान भारत कार्ड योजना के लाभार्थियों को भी लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री जसवंत सैनी और बृजेश सिंह ने मुख्यमंत्री का पगड़ी व अंगवस्त्र पहनाकर तथा छत्रपति शिवाजी महाराज का चित्र भेंट कर स्वागत किया। जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने मुख्यमंत्री को सहारनपुर की ओडीओपी काष्ठ कला से निर्मित नटराज प्रतिमा भेंट की। देवबंद स्थित ग्राम जड़ौदा जट्ट में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सहारनपुर के कारीगरों द्वारा तैयार की जा रही विश्वस्तरीय वुड कार्विंग ने जनपद को नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता के बीच सक्रिय रहें और सरकार बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सहारनपुर में छह लेन एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा चुका है, जिससे दिल्ली की दूरी अब मात्र ढाई घंटे में तय हो रही है। उन्होंने घोषणा की कि इस आर्थिक कॉरिडोर का पहला इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक हब सहारनपुर में बनाया जाएगा और इसके लिए कार्य शुरू हो चुका है। इससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली मेरठ तथा मेरठ से प्रयागराज तक लगभग 600 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश को नई गति दे रहा है। सहारनपुर से लखनऊ की दूरी अब छह घंटे और प्रयागराज की दूरी साढ़े सात घंटे में पूरी की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहारनपुर एयरपोर्ट के माध्यम से देश और दुनिया से जुड़ेगा। बेहट में स्पोर्ट्स कॉलेज, स्मार्ट सिटी परियोजना, बेहतर सड़कें, बस स्टेशन, आरसीसी ड्रेन और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था जैसी योजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि माँ शाकम्भरी देवी मंदिर तक जाने के लिए एलिवेटेड हाईवे और कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे श्रद्धालु हर मौसम में आसानी से दर्शन कर सकेंगे। नवरात्र के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में हुई पुलिस भर्ती में सहारनपुर के लगभग 500 युवाओं को नौकरी मिली है। उन्होंने कहा कि विकास ही विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को आगे बढ़ाएगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है और अब किसी व्यापारी के अपहरण, किसान के शोषण या बहन-बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ का दुस्साहस कोई नहीं कर सकता। राज्यमंत्री बृजेश सिंह ने कहा कि देवबंद उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि है तथा यहां सड़कों का चौड़ीकरण, एयरपोर्ट निर्माण और देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस-वे जैसी परियोजनाएं विकास की नई तस्वीर पेश कर रही हैं। उन्होंने बताया कि देवबंद के एक डिग्री कॉलेज में विज्ञान संकाय की कक्षाएं शुरू कराने के लिए मुख्यमंत्री ने तत्काल आदेश दिए, जिसके बाद 35 वर्ष बाद भवन निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। राज्यमंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और उत्तर प्रदेश देश के सवोत्तम राज्यों में शामिल हो रहा है। कार्यक्रम में मंत्री सुनील कुमार शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया, विधायक मुकेश चौधरी, देवेन्द्र निम, किरत सिंह, राजीव गुम्बर, महापौर डॉ. अजय कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी, विधान परिषद सदस्य वंदना वर्मा, पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी, एडीजी भानु भास्कर, मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार, डीआईजी अभिषेक सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

नाजायज चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। वांछित और शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खतौली पुलिस ने एक युवक को नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी नावेद पुत्र मुन्ना निवासी ग्राम मोहिदिनपुर थाना खतौली को ढाकपुरी मोड़ से दबोचा। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद किया गया। कोतवाल दिनेश चंद्र बघेल ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से भी विभिन्न धाराओं में तीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश करने की तैयारी शुरू कर दी है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक आरिफ अली, सिपाही नवीन और बलवीर शामिल रहे।

विश्व एथलेटिक्स दिवस पर बालिका दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार) विश्व एथलेटिक्स दिवस के अवसर पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नगर क्षेत्र मुजफ्फरनगर में बालिका दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में खेल भावना विकसित करना तथा स्वास्थ्य, समानता और सक्रिय जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी के मार्गदर्शन में डॉ. राजीव कुमार द्वारा कराया गया। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सृष्टि ने प्रथम, निशा ने द्वितीय तथा सृष्टि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्राओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यालय की वार्डन बबिता और विद्यालय परिवार का विशेष सहयोग रहा। डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि विश्व एथलेटिक्स दिवस केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और सामाजिक समानता का संदेश देने वाला अभियान है। उन्होंने छात्राओं को पी.टी. उषा, दुती चंद और हिमा दास जैसी महान धाविकाओं से प्रेरणा लेकर खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्राओं को नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली और खेल भावना के महत्व के प्रति भी जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि खेल समाज में एकता, समावेशिता और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।

सी एम ग्रिड फेस -2: नगर आयुक्त ने कार्यों का निरीक्षण करते हुए धीमी व्यक्ति पर व्यक्त की नाराजगी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने वसुंधरा जोन अंतर्गत सीएमग्रिड फेस 2 के चल रहे कार्यों का जायजा लिया। डाबर चौक से कौशांबी होते हुए आनंद विहार मार्ग का निरीक्षण किया गया। मौके पर मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, अधिशासी अभियंता विपुल, सहायक अभियंता अनूप,अवर अभियंता संजय गंगवार, अवर अभियंता पूजा उपस्थित रहे। कार्य में तीव्रता लाने हेतु सख्त निर्देश दिए गए जीत कंस्ट्रक्शन संबंधित ठेकेदार मौके पर रहे, जिनको निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए गए। कार्य के दौरान जन सुविधा का ध्यान रखने के लिए कहा गया और हो रही असुविधा को तत्काल समाप्त करने के निर्देश दिए गए। डाबर चौक से कौशांबी होते हुए आनंद विहार तक लगभग 2.5 किलोमीटर तक सड़क को सी एम ग्रिड के अंतर्गत बनाया जा रहा है जिसमें लगभग 45 करोड़ की लागत आ रही है। 15 मार्च 2027 तक कार्य किया जाना है। गाजियाबाद नगर निगम निर्माण विभाग द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है, जिसमें किसी प्रकार की असुविधा शहर वासियों को ना हो इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश नगर आयुक्त द्वारा संबंधित ठेकेदार तथा निगम के निर्माण विभाग अधिकारियों को दिए गए। बैरिकेटिंग का उपयोग करने के लिए कड़े रूप से निर्देश दिए गए। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी को मॉनिटरिंग बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया गया है। सी एम ग्रिड फेस 2 के अंतर्गत वसुंधरा जोन में कौशांबी, वैशाली तथा इंदिरापुरम के प्रमुख मार्गो को व्यवस्थित करने का कार्य गाजियाबाद नगर निगम निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है और समय-समय पर अधिकारी निरीक्षण कर रहे हैं।

पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर की अध्यक्षता में हुई बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए गाजियाबाद में पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने आदेश दिए हुए है, जिससे गाजियाबाद की जनता को सुरक्षा के साथ सहूलियत प्रदान की जा सके। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर ने गुरुवार को थाना कविनगर पर बैठक की। इस दौरान उन्होंने पुलिसिंग को मजबूत करने के आदेश दिए। बैठक में कविनगर और नन्दग्राम के सभी चौकी प्रभारी तथा हल्का प्रभारी मौजूद रहे। गोष्ठी में सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर सूर्यबली मौर्य और सहायक पुलिस आयुक्त नन्दग्राम जियाउद्दीन अहमद को भी रखा गया, जिससे वह दिए गए आदेशों की मॉनिटरिंग करते हुए पूर्ण रूप से पालन करवाएं। बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिसिंग को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी तथा जनहितकारी बनाया जाए। इसी कड़ी में बैठक के दौरान सभी पुलिसकर्मियों को आदेश दिए गए की वह जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित करें और उनकी समस्याओं को शालीनता के साथ सुने। वही बीट पुलिसिंग को मजबूत करते हुए स्थानीय नागरिकों के साथ मजबूत स्तंभ स्थापित करें, जिससे वह छोटी से छोटी समस्या और प्रत्येक घटना की जानकारी पुलिस को दें। ऑपरेशन प्रहार के तहत अनैतिक गतिविधियों करने वाले लोगों पर त्वरित कार्यवाही की जाए, जिससे क्षेत्र के अंदर अपराधिक मुक्त माहौल बनाया जा सके। थाना स्तर पर प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया जाए, जिससे पीड़ित को न्याय दिलाते हुए अपराधी पर त्वरित कार्यवाही की जा सके। उन्होंने बैठक के दौरान सभी को साफ निर्देशित किया कि सभी अपने कर्तव्य का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करें, जिससे पुलिसिंग को मजबूत करते हुए जनता का भरोसा मजबूत किया जा सके। जनता के समर्थन से क्षेत्र में उत्पन्न हो रहे अपराधिक घटनाओं और अनैतिक कार्यों पर रोक लगाई जा सकती है। अगर किसी ने भी कार्य में लापरवाही की तो उसके खिलाफ नियम अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

अधूरे निर्माण कार्य पर डीएम सख्त, जल्द पूरा करने के निर्देश

शामली। (शिखर समाचार) गुरुवार को जिलाधिकारी आलोक यादव ने संयुक्त कार्यालय कलेक्ट्रेट शामली का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में चल रहे अवशेष निर्माण कार्यों और फिनिशिंग में देरी पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कार्यदायी संस्था को तेजी लाकर कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने भूलेख अनुभाग, न्यायिक सहायक कार्यालय, आंग्ल अभिलेखागार, शिकायत कक्ष, जिला निर्वाचन कार्यालय, कोषागार, शस्त्र अनुभाग, भूमि अधिग्रहण कार्यालय तथा नागरिक सुरक्षा कक्ष समेत कई विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पटलवार जानकारी प्राप्त कर कार्यालयी कार्यों को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

भूलेख विभाग में फाइलों के रखरखाव की स्थिति देखने के बाद जिलाधिकारी ने अभिलेखों को सुव्यवस्थित रखने तथा पुराने और अनुपयोगी सामान को हटाने के निर्देश दिए। न्यायिक सहायक कार्यालय में त्योहारों के दौरान लगाई जाने वाली ड्यूटी की जानकारी लेते हुए उन्होंने आगामी पर्वों को ध्यान में रखकर पहले से तैयारी सुनिश्चित करने को कहा।

भूमि अधिग्रहण कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने न्यायालय में लंबित भूमि विवादों की विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्ट्रेट परिसर की साफ सफाई, विद्युत व्यवस्था तथा निमार्णाधीन कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा कराने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सोहनलाल, डिप्टी कलेक्टर हामिद हुसैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शामली में दर्दनाक हादसा: महिला ने खुद को लगाई आग, दम घुटने से दो मासूम बेटियों की मौत

कैराना/शामली। (शिखर समाचार) कैराना नगर के मोहल्ला आलदरमियान में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। पारिवारिक परिस्थितियों के बीच एक विवाहिता ने पहले फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया और असफल रहने पर खुद को आग के हवाले कर दिया। कमरे में भरे धुएं की चपेट में आने से उसकी दो मासूम बेटियों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से झुलसी महिला का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार मोहल्ला आलदरमियान निवासी करीब 30 वर्षीय अनीता ने सुबह करीब 10 बजे अपने कमरे में जाकर पहले पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। इसके बाद उसने कमरे में रखी प्लास्टिक की रस्सियों से बनी खाट पर बैठकर खुद को आग लगा ली। आग लगने से कमरे में तेजी से धुआं भर गया। उस समय कमरे में उसकी करीब 10 वर्षीय बेटी और डेढ़ वर्षीय पुत्री जसप्रीत भी मौजूद थीं। धुएं के कारण दोनों बच्चियों का दम घुट गया।

घटना के बाद घर से उठते धुएं और चीख-पुकार से मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल-112 पुलिस और महिला के पति जस्सी को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से झुलसी अनीता और दोनों बच्चियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैराना पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने दोनों बच्चियों को मृत घोषित कर दिया, जबकि अनीता का उपचार शुरू किया गया। अस्पताल पहुंचने पर पति जस्सी अपनी डेढ़ वर्षीय पुत्री जसप्रीत के शव को सीने से लगाकर फूट-फूट कर रो पड़ा। बताया गया कि अनीता की करीब चार वर्ष पूर्व जस्सी के साथ दूसरी शादी हुई थी। अनीता की पहली शादी पानीपत में हुई थी, जिससे उसकी एक बेटी थी, जिसकी इस हादसे में मौत हो गई। वहीं जस्सी की पहली पत्नी की भी पूर्व में मृत्यु हो चुकी है। पहली पत्नी से उसके एक बेटा और एक बेटी हैं। घटना के समय बेटा स्कूल गया हुआ था और बेटी अपने मामा के घर थी।

सूचना पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक समयपाल अत्री और क्षेत्राधिकारी हेमंत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से पूछताछ की। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के प्रयास और पारिवारिक विवाद सहित सभी पहलुओं की जांच में जुटी हुई है।

एसीईओ वंदना त्रिपाठी के कड़े तेवर: पार्क निर्माण में देरी पर अधिकारियों को नोटिस, 15 सितंबर तक काम पूरा करने की चेतावनी

आरव शर्मा
नोएडा (शिखर समाचार)
नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी ने आज उद्यान विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बोर्ड रूम सभागार में आयोजित इस बैठक के दौरान उन्होंने विकास कार्यों की सुस्त रफ्तार पर नाराजगी जताई और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया।

लापरवाही पर माँगा जवाब, तय की समय-सीमा
समीक्षा के दौरान वंदना त्रिपाठी ने सेक्टर-62 स्थित डी-पार्क के नवीनीकरण में हो रहे विलम्ब पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि इस पार्क का कार्य 15 सितंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से पूरा कर लिया जाए। इसके अलावा, वाई.आर.एफ. पार्क के सौंदर्यीकरण में शिथिलता बरतने पर संबंधित उप निदेशक और सहायक निदेशक (उद्यान) खण्ड-प्रथम से स्पष्टीकरण तलब किया है।

पार्कों के विकास को मिलेगी रफ्तार
बैठक में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए डेडलाइन तय की गई:
सेक्टर-94 (जापानी पार्क): विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों में तेजी लाते हुए 15 जुलाई 2026 तक वृक्षारोपण पूर्ण कर लोकार्पण की तैयारी करने को कहा गया है।
सेक्टर-91 (डियर पार्क): मुख्य द्वार के सौंदर्यीकरण कार्य को प्राथमिकता

के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए।
सेक्टर-167 (लेक-व्यू पार्क): इस पार्क का आकलन (Estimate) मात्र तीन दिनों में तैयार कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया गया है।

मानसून और भीषण गर्मी के लिए विशेष प्रबंध
मानसून के दौरान होने वाली संभावित क्षति को देखते हुए वंदना त्रिपाठी ने पूरे नोएडा क्षेत्र के मार्गों पर पुराने वृक्षों और झुक रही टहनियों की छंटाई के निर्देश दिए ताकि वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।
वहीं, बढ़ती गर्मी को देखते हुए उन्होंने श्रमिकों के कार्य समय में बदलाव किया है। अब काम सुबह 7:30 बजे शुरू होगा, ताकि दोपहर की भीषण गर्मी से बचाव हो सके और कार्य सुचारू रूप से चलता रहे।

आरडब्ल्यूए के साथ तालमेल पर जोर
अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्रों की आवासीय कल्याण समितियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें। पार्क और बागवानी से जुड़ी स्थानीय समस्याओं का समाधान आपसी समन्वय के साथ त्वरित गति से किया जाए।

जनगणना 2027 का आगाज : नोएडा में शुरू हुई स्वगणना प्रक्रिया, लोगों से बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील

आरव शर्मा
नोएडा (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 के कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में आज से स्वगणना प्रक्रिया की औपचारिक शुरूआत हो गई। अब नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल sc.census.gov.in पर जाकर अपनी जनगणना संबंधी जानकारी भर सकते हैं। नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में इस अभियान की शुरूआत सबसे पहले सांसद महेश शर्मा द्वारा स्वगणना कर की गई। इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी इंदु प्रकाश सिंह, प्रभारी सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद मिश्रा, प्रबंधक दीपक कुमार एवं सांसद प्रतिनिधि संजय बाली मौजूद रहे।
सांसद महेश शर्मा ने कहा कि देश की विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने में जनगणना की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने नोएडा के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं

और स्वगणना प्रक्रिया को सफल बनाएं।
वहीं नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश ने भी स्वयं स्वगणना कर लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि 7 मई से 21 मई के बीच अधिक से अधिक लोग ऑनलाइन माध्यम से अपनी स्वगणना अवश्य करें, ताकि जनगणना अभियान को गति मिल सके।

खूंखार कुत्तों के झुंड ने मजदूर को किया लहूलुहान, शरीर पर आए 40 घाव

नगीना / बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना हरेवली मार्ग स्थित ग्राम बेनीपुर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बृहस्पतिवार सुबह जंगल में मजदूरी के लिए जा रहे एक 50 वर्षीय मजदूर पर खूंखार कुत्तों के झुंड ने जानलेवा हमला कर दिया। कुत्तों ने मजदूर को जमीन पर गिराकर बुरी तरह नोच डाला। आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह उसकी जान बचाई। गंभीर रूप से घायल मजदूर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उसके शरीर पर करीब 40 गहरे घाव पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम बेनीपुर निवासी सत्येंद्र सिंह पुत्र बेगराज सिंह गुरुवार सुबह लगभग सात बजे मजदूरी के लिए जंगल की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह मौजा रघुदासपुर के जंगल में पहुंचे, वहां पहले से घूम रहे आधा दर्जन से अधिक आवारा कुत्तों ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। कुत्तों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया और जमीन पर गिराकर काटना शुरू कर दिया। हमले के दौरान सत्येंद्र

सिंह खुद को बचाने के लिए चीखते चिल्लाते रहे, लेकिन कुत्ते लगातार उन्हें नोचते रहे। सत्येंद्र की चीख पुकार सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे तुलाराम, रणवीर सिंह, डब्बू कुमार, गेंदा सिंह, चेतराम, कलवा, रतिराम, पूरन और चुन्नू सिंह सहित दर्जनों किसान लाठी-डंडे लेकर मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों को आता देख कुत्ते वहां से भाग निकले। इसके बाद किसानों ने घायल सत्येंद्र को संभाला। उस समय वह गंभीर रूप से घायल और खून से लथपथ हालत में पड़े हुए थे। ग्रामीणों और परिजनों ने तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार घायल के शरीर पर कुत्तों के काटने के लगभग 40 गहरे घाव मिले हैं। उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन सहित आवश्यक उपचार देकर भर्ती कर लिया गया है।
घटना के बाद गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा और खूंखार कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे लोगों का खेतों और जंगलों में जाना मुश्किल हो गया है। ग्रामीण हरेंद्र सिंह, गुरजीत सिंह, फूल सिंह और कलुआ सहित अन्य लोगों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि आवारा कुत्तों को पकड़वाने के लिए तत्काल अभियान चलाया जाए तथा घायल मजदूर को उपचार के लिए दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

पुरानी अनाज मंडी में व्यापारी और भाइयों पर लाठी-डंडों से हमला, चार घायल

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर की पुरानी अनाज मंडी में बुधवार को मामूली कहासुनी के बाद एक व्यापारी और उसके भाइयों पर लाठी-डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है। जानकारी के अनुसार गौरव जैन पुरानी अनाज मंडी में खादी भंडार की दुकान चलाते हैं। बुधवार को उनकी दुकान पर व्यापार का सामान आया था, जिसे वह टेंपो से उतरवा रहे थे। इसी दौरान कार से पहुंचे सोनू उर्फ विक्की निवासी मोहल्ला खोरिया ने टेंपो हटाने को कहा। गौरव जैन ने तुरंत टेंपो

हटवा दिया, लेकिन इसके बावजूद आरोपी उनसे बहस करने लगा। आरोप है कि सोनू उर्फ विक्की ने फोन कर अपने साथी हरिओम, श्री गोपाल और यश को मौके पर बुला लिया। इसके बाद आरोपियों ने गौरव जैन, उनके भाई सौरभ जैन, ताऊ के बेटे प्रवीण जैन और दुकान पर काम करने वाले महेश के साथ लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। हमले में गौरव जैन, उनके भाई और दुकान पर काम करने वाला युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। घटना से नाराज व्यापारी बुधवार देर शाम कोतवाली पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नगली में बसपा की बूथ स्तरीय बैठक, कमेटियों का पुनर्गठन

बिजनौर (शिखर समाचार)। ग्राम नगली में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) विधानसभा क्षेत्र बिजनौर की बूथ स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन विकास कुमार के निवास पर हुआ, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कविराज ने की, जबकि संचालन विधानसभा प्रभारी ब्रह्मपाल सिंह ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य मंडल प्रभारी नाजिम अहमद अल्वी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मंडल प्रभारी दिलीप कुमार उर्फ पिंटू मौजूद रहे। बैठक के दौरान बूथ संख्या 397 और 398 की कमेटियों का पुनर्गठन किया गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नाजिम अहमद अल्वी ने कहा कि मायावती के शासनकाल में प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत थी और किसान खुशहाल थे। उन्होंने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में बसपा की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से मजबूती के साथ जुटने और 'हाथी' का बटन दबाने की अपील की। विशिष्ट अतिथि दिलीप कुमार ने कहा कि प्रदेश में भयमुक्त वातावरण स्थापित करने के लिए बसपा की वापसी आवश्यक है। विधानसभा प्रभारी ब्रह्मपाल सिंह ने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और महापुरुषों के मिशन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक में जिला महासचिव संजीव कुमार सैनी, जिला कोषाध्यक्ष अमित चौधरी तथा विधानसभा अध्यक्ष प्रमोद कुमार समेत अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और मायावती को पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर जितेंद्र कुमार प्रधान, विकास कुमार, सलीम अंसारी, धीर सिंह पाल, विनीत चौधरी, रामपाल सिंह, मोहम्मद अयूब, ज्योति सैनी, सुधा रानी और इरफान अंसारी सहित बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशीले इंजेक्शन लगाकर गोवंशों को बेहोश करने का आरोप, ग्रामीणों में रोष

रबूपुरा (शिखर समाचार)। खेड़ा मोहम्मदपुर गांव के पास बुधवार रात बेसहारा गोवंशों को नशीले इंजेक्शन लगाकर बेहोश करने का मामला सामने आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही गौ रक्षक और ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंच गए। लोगों की भीड़ बढ़ती देख आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने क्षेत्र में सक्रिय गौ तस्करों के खिलाफ

कड़ी कार्रवाई की मांग की है। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला गौरक्षक प्रमुख त्रिलोक गुर्जर ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अभी भी गौ तस्कर सक्रिय हैं और लगातार ऐसी घटनाओं को अंजाम देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि गौ तस्करी और गौ हत्या जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए रात में सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सख्ती नहीं की गई तो क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं बढ़ सकती हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहली एयरलाइन बनी इंडिगो, 15 जून से शुरू होंगी उड़ानें

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारत की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अपनी उड़ान सेवाएं शुरू करने की घोषणा कर दी है। 15 जून 2026 से इंडिगो इस नए एयरपोर्ट से वाणिज्यिक उड़ान संचालन शुरू करने वाली पहली एयरलाइन बनेगी। इसके साथ ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) का तीसरा प्रमुख एयरपोर्ट बन जाएगा। इंडिगो चरणबद्ध तरीके से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को देश के 16 से अधिक शहरों से जोड़ेगी। इनमें बेंगलुरु, हैदराबाद, अमृतसर, चंडीगढ़, धर्मशाला, जयपुर, लखनऊ, नवी मुंबई, पंतनगर और श्रीनगर जैसे प्रमुख शहर शामिल हैं। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर के यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और अधिक यात्रा विकल्प मिलेंगे। एयरलाइन की ओर से बताया गया कि टिकटों की बुकिंग आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अधिकृत ट्रैवल पार्टनर्स के माध्यम से शुरू की जा रही है। इंडिगो के चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर आलोक सिंह ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश और एनसीआर के लिए नया प्रवेश द्वार साबित होगा। उन्होंने कहा कि इंडिगो अब एनसीआर के तीनों एयरपोर्ट आईजीआई एयरपोर्ट, हिंडन एयरपोर्ट और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सेवाएं देने वाली एयरलाइन बन गई है। भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजनाओं में शामिल यह एयरपोर्ट भविष्य में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। एयरपोर्ट को सड़क और रेल नेटवर्क से जोड़कर मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के रूप में विकसित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न मामलों का होगा त्वरित निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिला न्यायालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव ने आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर के जिला मुख्यालय सहित सभी तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी, जहां विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित एवं सरल निस्तारण किया जाएगा।
उन्होंने बताया कि लोक अदालत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर अधिनियम, वैवाहिक वाद, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, दीवानी वाद, एमवी एक्ट एवं ई-चालान, आर्बिट्रेशन मामले, लघु शमनीय अपराध, धारा 138 एनआई एक्ट, विद्युत अधिनियम, भू-राजस्व, सेवा एवं पेंशन संबंधी प्रकरण, श्रम विवाद सहित अन्य मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्री-लिटीगेशन स्तर पर बैंक ऋण, विद्युत बिल तथा बीएसएनएल बिल से संबंधित मामलों का भी सुलह-समझौते के माध्यम से समाधान कराया जाएगा।
जनपद न्यायाधीश ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठाकर अपने मामलों का शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि ह्समाधान समारोहह्व अभियान के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय में लंबित ऐसे मामलों, जिनमें समझौते की संभावना है, के निस्तारण के लिए 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।
इस अवसर पर अपर जिला जज एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सोमप्रभा मिश्रा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नवयुग पालिका योजना के प्रस्तावित कार्यों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नगर पालिका परिषद दादरी द्वारा नवयुग पालिका योजना के अंतर्गत प्रस्तुत विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष गीता पंडित, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी कंचन वर्मा, वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी एवं शहरी निकाय सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।
बैठक के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद दादरी ने नवयुग पालिका योजना के तहत प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी जिलाधिकारी को दी। जिलाधिकारी ने सभी प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रस्तुत कार्यों को वित्तीय वर्ष 2026-27 की नवयुग पालिका योजना में शामिल कर स्वीकृति एवं धन आवंटन के लिए शासन को शीघ्र प्रस्ताव भेजा जाए।
उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से शत-प्रतिशत पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को योजनाओं का समय पर लाभ मिल सके।

निमाणर्धीन पुलिस लाइन और गौशाला का डीएम ने किया निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी कविता मीना ने गुरुवार को जनपद में निमार्णाधीन पुलिस लाइन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यदाई संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए तथा निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद जिलाधिकारी ने विकास खंड हापुड़ स्थित बृहद गो संरक्षण केंद्र भटेल का निरीक्षण किया। केंद्र में 494 नर गोवंश संरक्षित पाए गए। निरीक्षण के दौरान पानी की चर में गंदगी मिलने पर संचालक को तत्काल सफाई और चूने से पुताई कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने हरे चारे, भूसे और पशु आहार की उपलब्धता का भी जायजा लिया तथा प्रतिदिन गोवंश को हरा चारा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएम ने गौशाला में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल, पंखे, टीन शेड और गर्मी से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही बायोगैस प्लांट चालू कराने और गोबर के शीघ्र निस्तारण के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

सम्राट चौधरी का नया मंत्रिमंडल: बिहार की राजनीति में शक्ति संतुलन और नए नेतृत्व की परीक्षा

बिहार की राजनीति में 7 मई 2026 का दिन एक बड़े राजनीतिक बदलाव और नए सत्ता समीकरणों के रूप में दर्ज हो गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की राजनीति अब नए नेतृत्व और नई रणनीति के दौर में प्रवेश कर चुकी है। पटना में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में 32 नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने इस राजनीतिक आयोजन को राष्ट्रीय महत्व प्रदान किया। नई कैबिनेट में भाजपा और जदयू को सबसे अधिक प्रतिनिधित्व मिला है, जबकि विभिन्न जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की स्पष्ट कोशिश दिखाई दी। राजनीतिक गलियारों में इस मंत्रिमंडल विस्तार को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों की बड़ी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में उभरना बिहार भाजपा की लंबे समय से चल रही राजनीतिक योजना का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा पिछले कई वर्षों से बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और मजबूत करने की कोशिश कर रही थी। अब सम्राट चौधरी के नेतृत्व में पार्टी राज्य की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने का संदेश दे रही है। यह बदलाव केवल चेहरे का परिवर्तन नहीं, बल्कि सत्ता संचालन की शैली और राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत भी है। सम्राट चौधरी पिछड़े वर्ग से आने वाले नेता हैं और भाजपा उन्हें सामाजिक समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण चेहरा मानती है। ऐसे समय में जब बिहार की राजनीति जातीय आधारों पर गहराई से प्रभावित रहती है, भाजपा ने उनके माध्यम से व्यापक सामाजिक संदेश देने की कोशिश की है।

मंत्रिमंडल विस्तार में सबसे अधिक ध्यान सामाजिक संतुलन पर दिया गया है। पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, महादलित, सवर्ण और अल्पसंख्यक वर्गों को प्रतिनिधित्व देकर एनडीए ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर चलना चाहती है। इसके साथ ही युवा चेहरों को भी अवसर देकर यह संकेत दिया गया कि सरकार नई पीढ़ी को सत्ता और प्रशासन में भागीदारी देना चाहती है। भाजपा और जदयू के बीच सीटों और मंत्रालयों का संतुलन भी काफी सोच-समझकर तय किया गया है, जिससे गठबंधन के भीतर किसी प्रकार की असंतुष्टि उभरने की संभावना कम रहे।

हालांकि राजनीति में केवल मंत्रिमंडल का विस्तार ही पर्याप्त नहीं होता, असली चुनौती उसके प्रदर्शन से तय होती है। बिहार आज भी बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योगों की कमी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। लाखों युवा बेहतर रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। सरकारी नौकरियों की सीमित संख्या और निजी निवेश की कमी राज्य की सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियों में शामिल हैं। ऐसे में नई सरकार के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी विकास को गति देने और युवाओं के भीतर विश्वास पैदा करने की होगी। यदि सरकार इन मुद्दों पर ठोस परिणाम देने में सफल रहती है तो यह नया नेतृत्व बिहार की राजनीति में स्थायी स्थान बना सकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

आपके मस्तिष्क में अप्रिय विचार और जीवन में अवांछित तत्व बिना आपकी अनुमति-सहमति के प्रवेश नहीं करते हैं!

© विनय संकोची

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक, सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है।

कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।

उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ह्यह्यपीठ में छूरा घोंपनाह्लह्ल बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरूआत बताया।

विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है।

देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास भी बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कभी कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमुक के साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समीकरण ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावहारिक राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को यह एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उसकी भूमिका सीमित होती जा रही थी। वहीं टीवीके के साथ आने से उसे भविष्य में अधिक सीटें और सत्ता में भागीदारी मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। दूसरी ओर द्रमुक के लिए यह संकट का समय है, क्योंकि उसका सबसे पुराना सहयोगी अब उसके विरोधी खेमे में खड़ा दिखाई दे रहा है।

आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इंडिया गठबंधन इस राजनीतिक झटके को संभाल पाता है या फिर राज्यों में बदलते समीकरण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को कमजोर कर देंगे। फिलहाल इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में विजय का उदय और कांग्रेस का नया दांव देश की राजनीति में एक नए दौर की शुरूआत का संकेत दे रहा है।

जितनी बड़ी जीत भरोसे पर खरा उतरने की उतनी बड़ी चुनौती!

मनोज कुमार अग्रवाल

यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य को राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी हैं।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था। 2011 में वाम शासन को समाप्त कर सत्ता में आई ममता बनर्जी ने बंगाल की राजनीति को अपनी शैली, अपनी भाषा और अपने संगठन के बल पर चलाया। लेकिन इस बार के नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं होता। मतदाता जब बदलाव का मन बना लेता है, तो सबसे मजबूत शासन भी कमजोर पड़ सकता है। मतगणना के बाद अनुसार भाजपा ने 206 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि तृणमूल कांग्रेस काफी पीछे रह कर सिर्फ 81 सीट पर जीत हासिल कर सकी है । बंगाल का राजनीतिक इतिहास संघर्ष, विचारधारा और जनभावना से भरा रहा है। कभी वामपंथी राजनीति का मजबूत किला रहे इस राज्य में बाद के वर्षों में तृणमूल कांग्रेस ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई। ममता बनर्जी ने लंबे समय तक खुद को बंगाल की जनता की आवाज के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि जनता समय-समय पर सत्ता को परखती है और आवश्यकता पड़ने पर बदलाव का निर्णय भी करती है। इस चुनाव में सामने आए रक्षान बताते हैं कि जनता ने विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही के मुद्दों पर गंभीरता से मतदान किया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह परिणाम अभूतपूर्व है, क्योंकि जिस राज्य में कभी पार्टी की उपस्थिति सीमित मानी जाती थी, वहां बहुमत की दहलीज तक पहुंचना संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर की तैयारी और राजनीतिक रणनीति की सफलता को दर्शाता है। भाजपा ने पिछले वर्षों में बंगाल के ग्रामीण इलाकों, सीमावर्ती क्षेत्रों, चाय बागान क्षेत्रों, मतुआ समाज, आदिवासी इलाकों और शहरी मतदाताओं के बीच अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश की। इस चुनाव में उस मेहनत का असर रुझानों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का विषय है। हकिकत यह कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए लंबे समय तक सत्ता में बने रहना एक बड़ी चुनौती होता है। समय के साथ सत्ता के प्रति जनता की अपेक्षाएं बढ़ती हैं। यदि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर लोगों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो असंतोष धीरे-धीरे जनादेश में बदल जाता है। बंगाल में भी एंटी-इंकंवेंसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई प्रतीत होती है। तृणमूल के कई मजबूत नेताओं की हार या पिछड़ना इस बात का संकेत है कि जनता ने केवल पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि स्थानीय प्रदर्शन और जनसंपर्क के आधार पर भी मतदान किया है। इस बदलाव की पहली बड़ी वजह मतदाता सूची की पुनर्समीक्षा रही। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद राज्य की मतदाता सूची से करीब 91 लाख नाम हटाए गए है। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जैसे जिलों में बड़ी संख्या में नाम हटे, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस के मजबूत इलाकों में गिना जाता रहा है। चुनाव आयोग की दृष्टि से यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए थी, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से इसका असर बहुत गहरा दिखाई दिया। टीएमसी का पारंपरिक सामाजिक समीकरण कमजोर पड़ा और भाजपा को इसका लाभ मिला। दूसरी अहम वजह बंगाली अस्मिता की लड़ाई रही। ममता बनर्जी लंबे समय से भाजपा को बाहरी बताकर बंगाल की की संस्कृति, भाषा और खानपान से जोड़कर राजनीति करती रही हैं। लेकिन भाजपा ने इस बार इस प्रतीक को अपने खिलाफ हथियार बनने नहीं दिया। उसने यह संदेश देने की कोशिश की कि उसका हिंदुत्व बंगाल की संस्कृति से टकराता नहीं, बल्कि बंगाल की शाक्त परंपरा, मां काली की उपासना और स्थानीय जीवनशैली के साथ चल सकता है। यही वह मोड़ था जहां ममता बनर्जी का सांस्कृतिक एकाधिकार कमजोर पड़ा। तीसरी वजह पहचान और ध्रुवीकरण की राजनीति रही। बंगाल में पहले भी धार्मिक पहचान चुनावी विमर्श का हिस्सा रही है, लेकिन इस बार भाजपा ने इसे अधिक आक्रामक ढंग से उठाया। तृणमूल कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए भाजपा ने हिंदू मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाने की कोशिश की। काली बनाम काबा जैसे नारों ने चुनावी बहस को भावनात्मक और धार्मिक पहचान की दिशा में मोड़ दिया। यह राजनीति विवादास्पद हो सकती है, लेकिन चुनावी दृष्टि से इसका असर साफ दिखा। जिन इलाकों में हिंदू मतों का बिखराव था, वहां भाजपा ने उन्हें अपने पक्ष में संगठित करने में सफलता पई। चौथी वजह युवा मतदाताओं की आकांक्षा रही। बंगाल का एक बड़ा युवा वर्ग पिछले पंद्रह वर्षों से तृणमूल शासन के वातावरण में बड़ा हुआ। इस पीढ़ी के सामने सवाल केवल नकद सहायता योजनाओं या स्थानीय लाभों का नहीं था, बल्कि रोजगार, उद्योग, निवेश और बेहतर भविष्य का था। भाजपा ने सोनार बांग्ला और डबल इंजन सरकार के नारे के जरिए इसी आकांक्षा को छुआ। यह संदेश दिया गया कि केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने से निवेश, आधारभूत ढांचा और रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। मतुआ समुदाय के बीच नागरिकता के मुद्दे को उठाकर भाजपा ने एक और महत्वपूर्ण सामाजिक आधार को अपने पक्ष में मजबूत किया। पांचवीं वजह कांग्रेस और वाम दलों की राजनीतिक अनुपस्थिति रही। बंगाल की राजनीति कभी वामपंथ का गढ़ थी। कांग्रेस भी लंबे समय तक राज्य में प्रभावशाली रही। लेकिन इस चुनाव में मुकाबला लगभग सीधे भाजपा और टीएमसी के बीच सिमट गया। जब तीसरी ताकत कमजोर हो जाती है, तो सत्ता विरोधी वोट सीधे सबसे मजबूत विपक्षी दल को मिलते हैं। भाजपा को यही लाभ मिला। 2021 में जिन सीटों पर भाजपा मामुली अंतर से हार गई थी, इस बार वोट स्विंग ने उन सीटों को उसके पक्ष में मोड़ दिया। हालांकि इस जनादेश को केवल भाजपा की जीत और तृणमूल की हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह बंगाल के मतदाता का संदेश भी है कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरी हैं, लेकिन वे शासन की कमियों, रोजगार की कमी, भ्रष्टाचार के आरोपों और संगठनात्मक अहंकार की भरपाई हमेशा नहीं कर सकीं। ममता बनर्जी ने बंगाल को वाम शासन से बाहर निकालकर नई दिशा दी थी, लेकिन लंबी सत्ता अपने साथ थकान भी लाती है। सत्ता जब संगठन से बड़ी हो जाती है, तो जनता विकल्प तलाशने लगती है। भाजपा के लिए यह जीत जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। बंगाल केवल एक चुनावी राज्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, बौद्धिक और राजनीतिक चेतना की भूमि है। यहां शासन करना केवल बहुमत से संभव नहीं होगा। भाजपा को यह साबित करना होगा कि वह बंगाल की भाषा, संस्कृति, विविधता और सामाजिक संतुलन का सम्मान करते हुए विकास का मौडल दे सकती है। यदि वह केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रही, तो यह जनादेश जल्द ही चुनौती में बदल सकता है। बंगाल का यह चुनाव बताता है कि लोकतंत्र में कोई भी सत्ता स्थायी नहीं होती। जनता चुप रहती है, देखती है, परखती है और समय आने पर फैसला सुनाती है। 2026 के इसी फैसले की गूंज हैं। यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।बंगाल की सत्ता में आने पर भाजपा की जिम्मेदारी है कि उसे अपने कार्यकताओं को टीएमसी सरीखा बनने से बचाना है और इस विशाल जनमत का सम्मान करते हुए प्रदेश के विकास और भविष्य की दिशा में काम करना है ताकि बंगाल के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

डायबिटीज के मरीज पर दवा जैसा असर करता है ये काला फल

गुठली से लेकर पत्ते तक हैं फायदेमंद

गर्मियों में शुगर के रोगियों के लिए एक बड़ा ही फायदेमंद फल आता है। जिसका नाम जामुन है। काला जामुन मधुमेह के रोगियों के लिए किसी दवा से कम नहीं है। आयुर्वेद में जामुन को बहुत ही फायदेमंद माना गया है। खासतौर से डायबिटीज को कंट्रोल करने में जामुन को असरदार माना जाता है। जामुन टॉयलेट और खून से शुगर की मात्रा को कम करता है। इसके अलावा जामुन पेट और डाइजेशन को बेहतर बनाने में भी असरदार साबित होता है। जामुन खाने से दांत, आंखें, चेहरे, किडनी स्टोन और लिवर के लिए भी फायदेमंद है। विटामिन और फाइबर से भरपूर जामुन शुगर में कैसे इस्तेमाल किया जाता है आइये जानते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन का सेवन बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद में जामुन के फल, गुठली और पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है।

डायबिटीज में जामुन का उपयोग

पहला तरीका– जामुन की गुठली को पीसकर चूर्ण बना लें। अब एक हिस्सा जामुन की गुठली का चूर्ण, एक हिस्सा शुण्ठी चूर्ण और इसमें दो हिस्सा गुड़मार बूटी मिक्स कर लें। सारी चीजों को पीसकर एक चूर्ण बना लें और छान लें। इस चूर्ण को एलोवेरा जूस में मिलाकर पी लें। आप चाहें तो इसकी गोलियां जैसी बनाकर दिन में 3 बार खा लें। इससे शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

दूसरा तरीका– करीब 100 ग्राम जामुन की जड़ लें और उसे अच्छी तरह से साफ कर लें। अब इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पीस लें। तैयाप मिश्रण को 20 ग्राम मिश्री में मिला खा लें। सुबह शाम इस चूर्ण को खाने से मधुमेह में फायदा होगा।

तीसरा तरीका– 250 ग्राम पकी हुई जामुन लें और उन्हें आधा लीटर उबलते हुए पानी में डाल दें। थोड़ी देर उबलने के बाद जब पानी थोड़ा ठंडा हो जाए तो जामुन को मैश कर लें और इसे छान लें। अब इस पानी को दिन में 3 बार पिएं। इससे शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

चौथा तरीका– जामुन की छाल का उपयोग भी शुगर को कम करने के लिए किया जाता है। इसके लिए जामुन की छाल को को पीसकर राख बना लें। 625 मिलीग्राम से 2 ग्राम तक की मात्रा में राख का सेवन रोजाना करें। इससे मधुमेह को कम करने में मदद मिलेगी।

हेल्दी लिवर के लिए इन फूड्स को डाइट में करें शामिल

लिवर हमारे शरीर का एक बहुत ही जरूरी अंग है, जो डिटॉक्सिफिकेशन, पाचन और ऊर्जा संग्रहण जैसे काम करता है। लीवर समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विषहरण, चयापचय और पोषक तत्वों के भंडारण जैसे आवश्यक कार्य करता है। यदि आप लिवर को स्वस्थ बनाए रखना चाहते हैं, तो कुछ फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है।

हेल्दी लिवर के लिए फायदेमंद फूड्स :

लहसुन

लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। इसमें एलिसिन और सेलेनियम होता है, जो लिवर को साफ करता है। लीवर के स्वास्थ्य के लिए लहसुन से लाभ उठाने के लिए, इसे कच्चा, खाली पेट खाना सबसे अच्छा है, या इसे भोजन में शामिल करें। कच्चे लहसुन में एलिसिन होता है, जो एक यौगिक है जिसे खाना पकाने के दौरान पतला किया जाता है। प्रतिदिन 1–2 कच्चे लहसुन की कलियाँ या भोजन में 2–4 कलियाँ खाने की सलाह दी जाती है।

चुकंदर

चुकंदर खून को साफ करता है और लिवर फंक्शन को बेहतर करता है। इसमें बीटालाइन्स होते हैं, जो डिटॉक्स प्रक्रिया को सपोर्ट करते हैं। लीवर को स्वस्थ रखने के लिए चुकंदर को कच्चा, पकाकर या जूस के रूप में खाया जा सकता है। चुकंदर का जूस, खास तौर पर कच्चा, एंटीऑक्सीडेंट और बीटाइन का अच्छा स्रोत माना जाता है, जो लीवर को डिटॉक्सीफाई करने और इसके कामकाज को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियाँ

हरी पत्तेदार सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी, सरसों—ये शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालती हैं। ये लिवर में बाइल (पित्त) प्रोडक्शन को बढ़ाती हैं। पत्तेदार सब्जियों को कच्चा या पकाकर खाया जा सकता है और इन्हें संतुलित आहार का हिस्सा होना चाहिए। आप इन्हें सलाद, स्मूदी या साइड डिश के रूप में शामिल कर सकते हैं। इन्हें भाप में पकाने, भूनने या तलने से इनका स्वाद और भी कोमल हो जाएगा।

एवोकाडो

एवोकाडो ग्लूटाथियोन नामक एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होता है, जो लिवर की सफाई करता है। एवोकाडो को कई तरह से खाया जा सकता है, जैसे कि टोस्ट पर फैलाकर डिप, सलाद या स्मूदी में इस्तेमाल करना। पौष्टिक और सेहतमंद नाश्ते या स्नैक के लिए मैश किए हुए एवोकाडो की एक पतली परत पूरे गेहूं के टोस्ट या क्रैकर्स पर फैलाएँ। अतिरिक्त स्वाद के लिए नींबू का रस निचोड़ें और काली मिर्च छिड़कें।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में कैटेचिन्स होते हैं, जो लिवर के फैट को कम करने में मदद करते हैं। ग्रीन टी के नियमित सेवन से सीरम एलानिन एमिनोट्रांस्फरेज और एस्पार्टेट एमिनोट्रांस्फरेज का मान कम हो जाएगा। लिवर के स्वास्थ्य के लिए, 1–2 कप ग्रीन टी पियें और फैटी लिवर को बढ़ने से रोकने के लिए दूध और चीनी मिलाने से बचें।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

पेट के लिए सबसे अच्छी मानी जाती हैं ये 5 चीजें

खाना का सीधा और सबसे पहले असर हमारी सेहत पर पड़ता है। हम जो भी खाते हैं वो पेट में जाकर पूरे शरीर में पहुंचता है। इसलिए खानपान पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। पिछले कुछ सालों में सबसे ज्यादा हमारा खाना बिगड़ा है। डाइट में जंग फूड, मैदा, चीनी, नमक की मात्रा बढ़ी है। खाने में केमिकल और प्रिजर्वेटिव्स की मिलावट होने लगी है। पैक्ड फूड का सेवन बढ़ा है, जो सेहत के लिए सबसे ज्यादा घातक है। अगर आप ज्यादा तीखा और चटपटा खाते हैं या ज्यादा तला भुना भोजन खाते हैं इससे पेट खराब हो सकता है। इसलिए आज हम आपको ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं जो पेट के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। इन चीजों को पेट के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। जानिए खाने में ऐसी क्या चीजें शामिल करनी चाहिए, जिससे पेट की सेहत और पाचन दुरुस्त हो।

पेट के लिए वरदान हैं ये 5 चीजें

दही– गट हेल्थ को बेहतर बनाने वाला सबसे अच्छा फूड है दही। रोजाना दही का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। दही खाने से पेट में गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं। सुबह और दोपहर के खाने में दही को शामिल करना सबसे अच्छा माना जाता है।

साबुत अनाज– मोटा अनाज यानि साबुत अनाज को पेट

के लिए फायदेमंद माना जाता है। आप गेंहू, ओट्स, चावल और होल ग्रेन से बनी चीजें खा सकते हैं। ये चीजें पेट के लिए अच्छी होती हैं। इन चीजों में फाइबर ज्यादा होता है जिससे पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

केला– फलों में पका केला पेट के लिए बेहतरीन फल माना जाता है। केला में पौटेशियम पाया जाता है। केला खाने से पाचन बेहतर होता है और कई पेट से जुड़ी समस्याएं भी दूर हो जाती हैं। केला खाने से गैस्ट्रोइंटेस्टिनल समस्याएं भी कम होती हैं। इसलिए केला जरूर खाएं।

पपीता– पाचन को मजबूत बनाने के लिए पपीता जरूर खाएं। पपीता में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो पेट साफ कर कब्ज को दूर करते हैं। पपीते के एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाचन को बेहतर बनाते हैं। खाना पचाने से लेकर हार्टबर्न और अपच की समस्याएं इससे दूर होती हैं।

अदरक– पेट के लिए अदरक को भी अच्छा माना जाता है। जिन लोगों को जी मिचलाने या पेट में दर्द की समस्या होती है उन्हें अदरक का सेवन करना चाहिए। मॉर्निंग सिकनेस को खत्म करने में भी अदरक असरदार साबित होती है। डाइट में किसी तरह अदरक जरूर शामिल करें।

अस्थमा के मरीज भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन

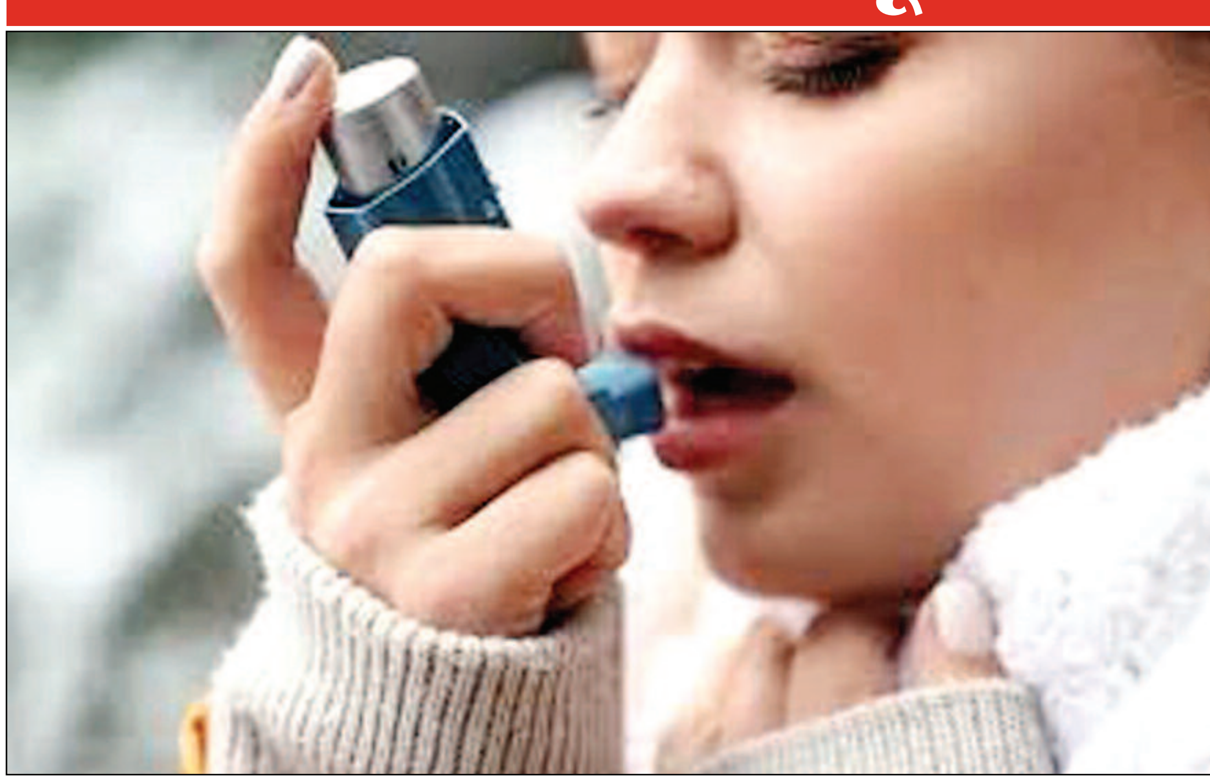

अस्थमा सांस से जुड़ी गंभीर बीमारी है।यह बीमारी हमारे श्वसन तंत्र को बुरी तरह प्रभावित करती है। एक आंकड़े के अनुसार साल 2050 तक अस्थमा रोगियों की संख्या तीन गुना बढ़ जाएगी। अस्थमा कभी भी किसी को भी अचानक अपनी गिरफ्त में ले सकता है। इस लिए जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 6 मई को वर्ल्ड अस्थमा डे; मनाया जाता है।

अस्थमा के मरीजों को अपनी डाइट का बेहद ख्याल रखना चाहिए। डाइट में लापरवाही करने पर यह बीमारी तेजी से ट्रिगर होती है। अस्थमा के मरीजों को कुछ चीज़ों को खाने से परहेज़ करना चाहिए, क्योंकि ये चीजें एलर्जी ट्रिगर, सूजन बढ़ाने, या श्वसन मार्ग को संकुचित करने का कारण बन सकती हैं। नीचे कुछ ऐसी चीजें दी गई हैं जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूरी बनानी चाहिए :

इन चीज़ों से बनाएं दूरी :

प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड : जो लोग प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड का सेवन ज़्यादा करते हैं उनमें अस्थमा का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में संतृप्त वसा पाया जाता है। जो इम्यूनिटी को कमजोर कर देता है। इनमें सल्फाइट्स, प्रिज़रवेटिव्स और आर्टिफिशियल फ्लेवर भी होते हैं जो अस्थमा को ट्रिगर कर सकते हैं।

ठंडी चीजें : आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक्स जैसी ठंडी चीज़ों से भी अस्थमा के मरीजों को दूरी बनानी चाहिए। ठंडा खाने या पीने से गले और फेफड़ों की नलियों में सिकुड़न हो सकती है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

शराब का सेवन : शराब और बियर में सल्फाइट्स मिलाए जाते हैं। जिससे कि यह काफी समय तक खराब न हो। वहीं यह सल्फाइट्स अस्थमा के रोगियों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

डेयरी उत्पाद : दूध, चीज़, मक्खन जैसे डेरी प्रोडक्ट्स अस्थमा के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।कुछ लोगों को डेयरी से म्यूकस (कफ) ज्यादा बनने लगता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

कॉफी– अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है तो कॉफी का सेवन नहीं करना चाहिए। कॉफी में मौजूद कैफीन एसिड रिफलेक्स को बढ़ा देती है। वहीं दमा के कुछ मरीजों में कॉफी का सेवन करने से फूड प्वाइजनिंग हो सकता है।

पश्चिम एशिया संकट से मोटरसाइकिल की मांग में आई नरमी: बजाज ऑटो

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भारत के दोपहिया बाजार पर भी दिखने लगा है। शुरुआती स्तर की मोटरसाइकिलों की मांग पर दबाव आया है, जबकि इलेक्ट्रिक स्कूटर की मांग बढ़ गई है। बजाज ऑटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। दोपहिया वाहन विनिर्माता बजाज ऑटो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने विश्लेषकों के साथ चर्चा में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 20 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़े मोटरसाइकिल बाजार के अब घटकर सात-नौ प्रतिशत की वृद्धि तक ही सीमित रह जाने का अनुमान है। उन्होंने मांग में सुस्ती के संकेतों के बारे में पूछे जाने पर कहा` कि पहले 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा मोटरसाइकिल उद्योग अप्रैल में सिर्फ नौ प्रतिशत की दर से बढ़ा। उन्होंने कहा कि मार्च और अप्रैल के बीच एक बदलाव का बिंदु देखने को मिला, जो पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट के विभिन्न प्रभावों के कारण हुआ। इस संकट की वजह से एलपीजी की किल्लत, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, महंगाई का दबाव और उपभोक्ता धारणा में नरमी देखी गई है।शर्मा ने कहा कि मांग कमजोर होने पर किफायती दोपहिया खंड पर ज्यादा असर पड़ता है, जबकि महंगे मोटरसाइकिल खंड में अपेक्षाकृत मजबूती बनी हुई है। यह खंड उद्योग की औसत दर से लगभग दोगुनी गति से बढ़ सकता है।उन्होंने कहा कि ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका ने उपभोक्ताओं का रुझान इलेक्ट्रिक स्कूटर की तरफ बढ़ाने का काम किया है। कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर 'चेतक' की बिक्री मार्च तिमाही में 40 प्रतिशत बढ़ी थी और अप्रैल में भी इसमें 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई।शर्मा ने कहा कि आगे बाजार की दिशा काफी हद तक ईंधन कीमतों और महंगाई को नियंत्रित करने के सरकारी प्रयासों पर निर्भर करेगी।

प्रोंटो को 2 करोड़ डॉलर का नया निवेश, मूल्यांकन 200 मिलियन डॉलर

लैची ग्रूम के नेतृत्व में निवेश के बाद सीरीज-बी चरण 4.5 करोड़ डॉलर पर संपन्न

नई दिल्ली।

घरेलू सेवाएं प्रदान करने वाले मंच प्रोंटो ने अपनी सेवाओं के विस्तार और तकनीकी उन्नयन के लिए 2 करोड़ डॉलर (लगभग 166 करोड़ रुपये) का नया निवेश सफलतापूर्वक जुटाया है। इस नवीनतम वित्तपोषण के साथ, कंपनी का मूल्यांकन लगभग एक महीने में दोगुना होकर 20 करोड़ डॉलर हो गया है, जो इसकी तेजी से बढ़ती बाजार उपस्थिति को दर्शाता है। इस निवेश दौर का नेतृत्व एआई रोबोटिक्स कंपनी फिजिकल इंटेलिजेंस के सह-संस्थापक एवं क्विक-कॉमर्स फर्म जेप्टो के शुरुआती निवेशक लैची ग्रूम ने किया। इस ताज़ा फंडिंग के साथ प्रोंटो ने अपना सीरीज-बी वित्तपोषण चरण कुल 4.5 करोड़ डॉलर पर बंद कर दिया है। अब तक प्रोंटो लगभग 6 करोड़ डॉलर जुटा चुका है, जिसके प्रमुख निवेशकों में जनरल कैटलिस्ट, बेन कैपिटल वेंचर्स, ग्लेड ब्रुक और एपिक कैपिटल शामिल हैं। प्रोंटो शहरी परिवारों को सफाई, कपड़े धोने और भोजन बनाने जैसे दैनिक कार्यों के लिए प्रशिक्षित और सत्यापित पेशेवरों से जोड़ता है। स्टार्टअप के अनुसार, सीरीज-बी के पहले चरण के बाद उसकी दैनिक बुकिंग बढ़कर 26,000 हो गई है, जबकि चार महीने में इसका कार्यबल 6,500 पेशेवरों तक पहुंच गया है, जो इसकी तेजी से बढ़ती पहुंच और स्वीकार्यता को दर्शाता है। प्रोंटो के एक अे धिकारी ने कहा` कि असंगठित श्रम को संगठित करना आने वाले दशक में सेवा क्षेत्र का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव होगा। यह उपभोक्ता अर्थव्यवस्था की सबसे कठिन समस्याओं में से एक है। हमारा दीर्घकालिक लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा श्रम संगठन मंच बनना है। यह निवेश प्रोंटो को अपने लक्ष्य की ओर एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने में मदद करेगा।

पीएम पैनल की निजी क्षेत्र में पितृत्व अवकाश की वकालत

निजी क्षेत्र में वैधानिक प्रावधान और वित्तपोषण मॉडल का प्रस्ताव

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने श्रम मंत्रालय से पितृत्व अवकाश नीतियों में चरणबद्ध सुधार लाने का आह्वान किया है। परिषद का कहना है कि वर्तमान में निजी क्षेत्र में ऐसे अवकाश के लिए कोई वैधानिक प्रावधान नहीं है, जिससे देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों में असंतुलन बना हुआ है। परिषद ने अपने शोधपत्र 'रीइमैजिनिंग द केयर इकनॉमी' में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। परिषद ने सिफारिश की है कि पहले चरण में निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए वैधानिक पितृत्व अवकाश का विस्तार किया जाए।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 114 अंक गिरा, निफ्टी 24,326.65 पर फिसला

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114 अंक टूटकर 77,844.52 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.30 अंक नीचे आकर 24,326.65 पर बंद हुआ। आज सुबह गिफ्टी में कमजोरी दिख रही थी। बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव हावी रहा। लार्जकैप कंपनियों के शेयरों में दबाव को मिल रहा था जबकि मिडकैप स्टॉक्स में एक नई तेज़ी रही। .निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा बढ़त एचडीएफसी लाइफ में देखने को मिली, जिसमें 3.15 फीसदी की बढ़त देखने को मिली. इसके बाद, बजाज ऑटो में 2.78 फीसदी बढ़त, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.12 फीसदी की बढ़त, ग्रासिम इंडस्ट्रीज में 1.58 फीसदी की तेज़ी और एनटीपीसी में 1.40 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट क्वालिटी वॉल्स में 2.95 फीसदी की रही। इसके बाद, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.94 फीसदी की गिरावट, टीसीएस में 1.40 फीसदी की गिरावट, टेक महिंद्रा में 1.27 फीसदी की गिरावट और टाइटन कंपनी में 1.20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। जापान के निक्केई और अमेरिकी शेयर बाजारों ने रिकॉर्ड नए स्तरों को छुआ, वहीं घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में गिरावट पर दिखे। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 95 अंकों की गिरावट के साथ 77,862 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 16 अंक फिसलकर 24,314 पर पहुंच गया। आज एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 इंडेक्स जोरदार तेजी के साथ 5 फीसदी से अधिक चढ़कर पहली बार 62,000 के स्तर के पार पहुंच गया, जो एक नया रिकॉर्ड है।

तेलंगाना सरकार का स्वयं सहायता समूहों को 27,000 करोड़ ऋण देने का लक्ष्य

हैदराबाद । तेलंगाना सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इन समूहों को लगभग 27,000 करोड़ रुपये (26,621.47 करोड़ रुपये) का ऋण उपलब्ध कराने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी. अनसूया सीताक्का ने बृहस्पतिवार को वार्षिक ऋण योजना जारी करते हुए इस लक्ष्य की घोषणा की। यह लक्ष्य पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में बैंकों द्वारा दिए गए 25,228.89 करोड़ रुपये के ऋण से अधिक है, जो राज्य में महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। तेलंगाना में वर्तमान में 67 लाख सदस्यों के साथ महिला स्वयं सहायता समूहों का एक सशक्त नेटवर्क मौजूद है। सरकार एक करोड़ लोगों को करोड़पति बनाने के अपने व्यापक दृष्टिकोण के तहत इन समूहों को विभिन्न पहलों में शामिल कर रही है, जिनमें एसएचजी द्वारा संचालित सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना, अम्मा आदर्श पाठशाला का प्रबंधन और स्कूल यूनिफॉर्म की सिलाई जैसे कार्य शामिल हैं। ये कदम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

साइबर सुरक्षा में एयरटेल का बड़ा कदम; हाइब्रिड दफ्तरों के लिए देश का पहला यूनिफाइड ज़ीरो ट्रस्ट समाधान लॉन्च

कंपनियों के सुरक्षा खर्च में होगी 30ब तक की बचत; एआई-संचालित हमलों से निपटने के लिए बनाया अभेद्य कवच

नई दिल्ली ।

एआई-संचालित साइबर हमलों के बढ़ते खतरों और जटिलताओं के बीच, भारती एयरटेल की बी2बी इकाई एयरटेल बिज़नेस ने आज 'एयरटेल सिक्योर वर्कफोर्स' लॉन्च किया है। यह हाइब्रिड मॉडल पर काम करने वाले उद्यमों के लिए भारत का पहला पूर्णतः प्रबंधित और एकीकृत ज़ीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर सुरक्षा समाधान है। वर्ष 2025 में दर्ज हुई 20 लाख से अधिक साइबर सुरक्षा घटनाओं को देखते हुए, यह प्लेटफॉर्म उद्यमों के लिए एंड-टू-एंड और नियमों के अनुरूप सुरक्षा तंत्र उपलब्ध कराता है।

एयरटेल बिज़नेस के सीईओ शरत सिन्हा ने बताया कि यह समाधान न केवल सुरक्षित कनेक्टिविटी प्रदान करता है, बल्कि उद्यमों के साइबर सुरक्षा खर्च में 30 प्रतिशत तक की कमी भी सुनिश्चित करेगा। एयरटेल के 24×7 विशेषज्ञों की निगरानी और राष्ट्रीय स्तर की सुरक्षा विशेषज्ञता संगठनों को अपने स्वयं के सुरक्षा बुनियादी ढांचे को चलाने के परिचालन बोझ से मुक्त करेगी, जिससे वे अपने मुख्य व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

भारत के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अनुपालन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह समाधान उपयोगकर्ताओं, उपकरणों और नेटवर्क के हर टच पॉइंट को सुरक्षित करता है। इसका एकीकृत डैशबोर्ड उद्यमों को उनके पूरे नेटवर्क और डेटा का एक ही जगह पर सिंगल व्यू प्रदान करता है। इसके साथ ही, एयरटेल ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भी अनावरण किया है, जहाँ उद्यम इस अभेद्य सुरक्षा प्रणाली का लाइव अनुभव ले सकेंगे।

ऊर्जा बाधाओं से भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान: रिपोर्ट

विकसित भारत 2047 के लिए ऊर्जा व खाद्य सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं और बाहरी आर्थिक झटकों के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी आ सकती है।

एसएंडपी ग्लोबल और क्रिसिल ने एक संयुक्त रिपोर्ट में यह आशंका जताई, जिसमें देश की विकास दर 7.1 प्रतिशत के पिछले अनुमान से घटकर 6.6 प्रतिशत रहने की बात कही गई है।

यह गिरावट वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और अस्थिर बाजार स्थितियों का परिणाम है। इंडिया फारवर्ड शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इस समय ऊर्जा आपूर्ति बाधाओं, तेल और गैस की बढ़ती कीमतों तथा मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव जैसे बाहरी आर्थिक झटकों का सामना कर रहा है।

ऐसी स्थिति में विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने के लिए ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा से जुड़े सुधारों के साथ-साथ रणनीतिक भंडार तैयार करने के लिए एक व्यापक ऊर्जा भंडारण नीति की आवश्यकता पर बल दिया गया है। क्रिसिल के एक अर्थशास्त्री ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के लंबा खिंचने से रुपए में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी अर्थव्यवस्था पर दोहरा झटका डाल रही है, जिससे वृद्धि पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने मौजूदा हालात में ऊर्जा, खाद्य और उर्वरक सुरक्षा पर तत्काल ध्यान देने की वकालत की, खासकर रबी फसलों के लिए उर्वरक की संभावित कमी को देखते हुए। हालांकि, खरीफ फसलों के लिए स्थिति अभी बेहतर बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का असर थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर अधिक दिखेगा, जबकि सरकार द्वारा पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की कीमतों को स्थिर रखने के कारण खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) पर इसका प्रभाव सीमित रहेगा।

हालांकि, वाणिज्यिक एलपीजी के दाम बढ़ाए गए हैं। मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति 3.4 फीसदी के एक साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जबकि थोक मुद्रास्फीति 3.88 फीसदी के 38 महीने के उच्च स्तर पर रही। अप्रैल के मुद्रास्फीति आंकड़ों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है, जिससे केंद्रीय बैंक की चिंताएं बढ़ सकती हैं।

पेटीएम ने एनबीएफसी लाइसेंस योजना को खारिज किया

कंपनी ने लाभ में वापसी दर्ज की, आरबीआई कार्रवाई का कंपनी पर कोई प्रभाव नहीं

नई दिल्ली।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस, जिसके पास लोकप्रिय भुगतान ब्रांड पेटीएम का स्वामित्व है, ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस के लिए आवेदन करने की योजना से इनकार किया है। कंपनी ने अपनी रणनीति स्पष्ट करते हुए साझेदारी मॉडल पर जोर दिया है, जहां वह वितरण, प्रौद्योगिकी और वसूली का काम संभालेगी, जबकि प्रतिष्ठित ऋण साझेदार पूंजी और जोखिम का प्रबंधन करेंगे। यह घोषणा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के खिलाफ हालिया कार्रवाई के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसमें नियामक मानदंडों के अनुपालन में विफलता का हवाला दिया गया था। हालांकि, वन97 कम्युनिकेशंस ने स्पष्ट किया है कि पीपीबीएल पर आरबीआई की कार्रवाई का कंपनी पर कोई वित्तीय या व्यावसायिक प्रभाव नहीं पड़ेगा, और उसकी सभी सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं।

कंपनी ने अपनी जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन भी दर्ज किया है, जिसमें 183 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। पिछले साल की इसी अवधि में 545 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। पेटीएम ने भारत में भुगतान के बढ़ते बाजार को एक बड़ा अवसर बताया है, जिसमें उसकी बाजार हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 42 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.07 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 28 पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.77 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के तनाव कम करने और बातचीत फिर से शुरू करने के लिए करार पर चर्चा करने की खबरों के बाद बाजार की भावना में अचानक बदलाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.77 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 28 पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया बुधवार को 69 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.49 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 98.01 पर रहा।

एलजी का मेगा 2026 धमाका अब भारत से दुनिया को जाएगी ठंडक, 22 देशों को एक्सपोर्ट होंगे मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स

एआई वाली वॉशिंग मशीन और बिना नल वाला जादुई फ्रिज लॉन्च; नोएडा बना ग्लोबल हब

नोएडा ।

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी एलजी इंडिया ने गुरुवार को भारतीय बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करते हुए वर्ष 2026 के लिए अपना फ्यूचर-रेडी होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो पेश कर दिया है। नोएडा में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने अपनी प्रसिद्ध 'एसेंशियल सीरीज' के विस्तार के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक पर आधारित प्रीमियम वॉशिंग मशीन और अत्याधुनिक फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर्स की नई रेंज से पर्दा उठाया। एलजी की यह नई पहल न केवल प्रीमियम श्रेणी के ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए है, बल्कि इसके जरिए आधुनिक तकनीक को किफायती-प्रीमियम श्रेणी में लाकर मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुँचाना भी कंपनी का मुख्य लक्ष्य है।

इस लॉन्च की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी एलजी का 'मेक-इन-इंडिया' से 'मेक-इंडिया-ग्लोबल' की ओर बढ़ता कदम है। कंपनी ने आधिकारिक घोषणा की है कि भारत अब उनके लिए केवल एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार और विनिर्माण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। इसी रणनीतिक बदलाव के तहत नोएडा और पुणे के कारखानों में निर्मित इन विश्वस्तरीय उत्पादों को साल 2026 तक एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के 22 प्रमुख देशों में निर्यात किया जाएगा। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक होंग जू जीयोन ने इस अवसर पर कहा कि उनका ध्येय ऐसी तकनीक प्रदान करना है जो भारतीय जीवनशैली को सरल और स्मार्ट बनाने के साथ-साथ वैश्विक मानकों पर भी खरी उतरे।

तकनीक के मोर्चे पर कंपनी ने कई फर्स्ट-इन-सेगमेंट फीचर्स पेश किए हैं जो उपभोक्ताओं के घरेलू कामों को बेहद आसान बना देंगे। कंपनी ने भारत का पहला ऐसा फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर पेश किया है जो बिना किसी बाहरी नल कनेक्शन या प्लंबिंग के ही ऑटो आइस मेकर की सुविधा प्रदान करता है। वहीं लॉन्ड्री सेगमेंट में एआई डीडी 2.0 तकनीक को शामिल किया गया है, जो कपड़ों के वजन और उनके फैब्रिक की कोमलता को स्वयं पहचानकर सबसे सटीक धुलाई चक्र का चयन करने में सक्षम है। इसके अतिरिक्त, भारतीय रसोई की विशेष जरूरतों और जिद्दी मसालों के दागों को ध्यान में रखते हुए 'ट्रू स्टीम' डिशवॉशर उतारा गया है, जो एक साथ 92 बर्तनों को साफ करने की अभूतपूर्व क्षमता रखता है।

आरबीआई ने बदले विदेशी मुद्रा नियम, अब नए एफएफएमसी लाइसेंस जारी नहीं

प्रिंसिपल-एजेंट मॉडल का विस्तार; तीन श्रेणियों में होंगे आवेदन

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) लेनदेन संबंधी नियमों में बड़ा बदलाव किया है। 30 अप्रैल को जारी अधिसूचना के अनुसार, अब नए फुल फ्लेज्ड मनी चेंजर्स (एफएफएमसी) को लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे। केंद्रीय बैंक का लक्ष्य फॉरेक्स सेवाओं की पहुंच बढ़ाना और अनुपालन को सुगम बनाना है। आरबीआई ने अधिकृत संस्थाओं के मौजूदा ढांचे की समीक्षा कर प्रिंसिपल-एजेंट मॉडल का विस्तार करने का निर्णय लिया है, जिससे जांच-परख के बाद बेहतर विदेशी मुद्रा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। अब विदेशी मुद्रा से जुड़े किसी भी लेनदेन के लिए संस्थाओं को आरबीआई की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। नए आवेदनों पर तीन श्रेणियों में विचार किया जाएगा- एडी केटे गिरी-1(बैंक), एडी केटे गिरी-2 न्यूनतम 2 साल के अनुभव वाले एनबीएफसी, मौजूदा एफएफएमसी या फॉरेक्स एजेंट) और एडी केटे गिरी-3 (नए व इनोवेटिव उत्पाद देने वाली संस्थाएं)। यह बदलाव विदेशी मुद्रा सेवाओं को अधिक

व्यवस्थित और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।- प्रिंसिपल-एजेंट मॉडल का विस्तार; तीन श्रेणियों में होंगे आवेदन

इनक्रेड होल्डिंग्स का आईपीओ से15,000 करोड़ मूल्यांकन हा सिल करने का लक्ष्य

कंपनी ने सेबी के समक्ष अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इनक्रेड होल्डिंग्स ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं।

कंपनी इस निर्गम के जरिए लगभग 3,000-4,000 करोड़ रुपये जुटाने और 15,000 करोड़ रुपये का मूल्यांकन हासिल करने का लक्ष्य बना रही है। इस प्रस्तावित आईपीओ में 1,250 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 9.9 करोड़ शेयरों तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल होगी

नए निर्गम से प्राप्त राशि मुख्य रूप से कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी, इनक्रेड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएफएसएल) के टियर-1 पूंजी आधार को मजबूत करने, ऋण गतिविधियों का समर्थन करने और पूंजी पर्याप्तता में सुधार के लिए डाली जाएगी। 2017 में स्थापित इनक्रेड होल्डिंग्स, आरबीआई-पंजीकृत एनबीएफसी आईएफएसएल के माध्यम से परिचालन करती है। कंपनी ने नवंबर में गोपनीय रूप से आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए नियामक की मंजूरी भी प्राप्त कर ली है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी अब उचित समय पर बाजार में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है।

पोस्ट ऑफिस एनएससी 7.7 फीसदी ब्याज दर से पाएं सुरक्षित और टैक्स-फ्री रिटर्न

सिर्फ 10 लाख रुपए निवेश पर मिलेगा 4.49 लाख रुपए ब्याज पक्का

मुंबई ।

अपनी गाढ़ी कमाई पर सुरक्षित और आकर्षक रिटर्न पाने के इच्छुक निवेशकों के लिए पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एसएससी) स्कीम एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरी है। सरकार समर्थित होने के कारण इसमें निवेश पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है, वहीं मौजूदा 7.7 फीसदी सालाना ब्याज दर बैंकों की एफडी से काफी बेहतर है। यह योजना निवेशकों को न केवल चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ देती है, बल्कि आयकर की धारा 80सी के तहत टैक्स बचत का मौका भी प्रदान करती है। एनएससी में निवेश करने पर फिलहाल 7.7 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है, जो चक्रवृद्धि ब्याज के रूप में जुड़ता है। इस स्कीम का पूरा लाभ लेने के लिए 5 साल की लॉक-इन अवधि तक निवेश बनाए रखना जरूरी है। यह योजना महज 1000 रुपये से शुरू की जा सकती है और निवेश की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है। बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भी उनके नाम पर यह खाता खोला जा सकता है, जिसे माता-पिता द्वारा संचालित किया जा सकता है। टैक्स बचाने के लिहाज से भी एनएससी

फायदेमंद है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत निवेशक सालाना 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं।रिटर्न की बात करें तो, अगर आप इसमें 10 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करते हैं, तो 7.7 प्रतिशत की दर से 5 साल बाद यह राशि बढ़कर करीब 14.49 लाख रुपये हो जाती है। इसमें लगभग 4.49 लाख रुपये सिर्फ ब्याज से प्राप्त होते हैं, जो बिना किसी जोखिम के एक मजबूत रिटर्न है। हालांकि, इस योजना में निवेश करते समय एक महत्वपूर्ण बात का ध्यान रखना आवश्यक है। यदि निवेशक मैच्योरिटी से पहले अपना खाता बंद करता है, तो उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। नियमों के अनुसार एक साल बाद भी यदि खाता बंद किया जाता है, तो केवल मूल जमा राशि ही वापस मिलती है, और उस पर अर्जित ब्याज का कोई लाभ नहीं दिया जाता। इसलिए, योजना का पूरा फायदा उठाने के लिए पूरे 5 साल की अवधि तक निवेश बनाए रखना ही सबसे उचित है।

आईपीएल 2026 अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची सनराइजर्स, पंजाब किंग्स दूसरे नंबर पर खिसकी

हैदराबाद (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीसकेएस) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की अंक तालिका में बदलाव आया है और शुरुआत से ही शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स अब दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं सनराइजर्स पहले नंबर पर आ गयी है। पंजाब किंग्स को सनराइजर्स के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इसी कारण उसके हाथ से नंबर एक स्थान निकल गया। वहीं इस मैच के परिणाम से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर भी प्रभाव पड़ा है और वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गयी है।

सनराइजर्स अब अंक तालिका में शीर्ष पर है, जिसने 11 मैचों में 7 जीत के साथ कुल 14 अंक हो गये हैं। इतने अंक फिलहाल अन्य किसी टीम के नहीं हैं। वहीं, लगातार तीन मैचों में हार का सामना करने के बाद, पंजाब किंग्स 10 मैचों में 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई है। आरसीबी, जो इस मैच से पहले दूसरे पायदान पर थी, अब 9 मैचों में 6 जीत और 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। बेहतर नेट रन रेट के कारण वह चौथे स्थान पर मौजूद राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से आगे है, जिसने 10 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हासिल किये हैं।

वहीं शीर्ष चार से बाहर, पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटन्स (जीटी) है। जीटी ने भी 10 मैचों में 6 मुकाबले जीते हैं और उसके भी 12 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट में पिछड़ने के कारण वह शीर्ष 4 से बाहर है। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स 10 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक लेकर छठे स्थान पर बरकारार है। दिल्ली कैपिटल्स 10 मैचों में 4 जीत और 8 अंकों के साथ सातवें नंबर पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 9 में से 3 मैच जीते हैं और एक मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा, जिससे उसके खाते में 7 अंक हैं और वह आठवें स्थान पर है। अंक तालिका में नौवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है, जिसने 10 मैचों में केवल 3 जीत हासिल की हैं और उसके 6 अंक हैं। सबसे निचले पायदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने इस सीजन के आधे से अधिक मुकाबले खेलने के बाद भी 9 मैचों में केवल दो जीत दर्ज की हैं और उसके पास सिर्फ 4 अंक हैं।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली और केकेआर का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शुक्रवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मुकाबला करेगी। कैपिटल्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर ये मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखना है। अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स अब तक 9 मैचों में 8 अंकों के साथ ही 7वें स्थान पर हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उसे इस मैच में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। वहीं अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक तीन मैच जीते हैं जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार वह कुल 7 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर हैं। ऐसे में उसे भी प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखने ये मैच किसी भी हाल में जीतना होगा। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमों एक ही स्तर पर है। दोनो के ही बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे हैं। हाल ही में दिल्ली को अपने घरेलू मैदान पर सीएसके के हाथों हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। वहीं केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद है जिसका लाभ उसे मिलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 35 मुकाबले खेले गये हैं। इसमें से 15 दिल्ली जबकि 19 केकेआर ने जीते हैं। दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल और पथुम निसांका पर आधारित है। वहीं गेंदबाजी की कमान मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी के पास रहेगी।

दूसरी ओर केकेआर की बात करें तो उसकी बल्लेबाज रहाणे के अलावा, रिंकू सिंह, कैमरुन ग्रीन पर निर्भर करेगी। उसकी गेंदबाजी सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती पर अर्धारित रहेगी।

अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर आम तौर पर बड़े स्कोर बनने हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, समीर रिजवी, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन।

इम्पैक्ट प्लेयर- करुण नायर

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयर- वैभव अरोड़ा

रियान पराग को बिना कुछ किये ही मिल गई रॉयल्स की कप्तानी : मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग को दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। मांजरेकर ने कहा है कि रियान को बिना कुछ किये ही कप्तानी मिल गयी। मांजरेकर ने कहा कि रियान को कप्तानी एक प्राकर से इनाम के तौर पर मिली है। रॉयल्स ने नियमित कप्तान संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स जाने के बाद रियान को कप्तानी दे दी थी। आईपीएल 2025 में भी रियान ने कुछ मैचों में कप्तानी की थी पर वह सफल नहीं रहे थे। पर आईपीएल इसे वर्तमान सत्र में उन्होंने टीम को 10 में से 6 मैच जिताकर अपने को साबित किया है। इसके बाद भी मांजरेकर के उनपर सवाल उठाने से सभी हैरान हैं।

मांजरेकर ने पराग को लेकर कहा, वह आम भारतीय खिलाड़ियों में से एक नहीं है। वह फिट है, लेकिन मैं कहूंगा, इतने सालों में मैंने जिस तरह का प्रदर्शन देखा है, उसके बाद, यह कुछ ऐसा है जो मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि राजस्थान रॉयल्स ने उसे इतना अधिक समर्थन दिया है। मांजरेकर ने आगे यह भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को बेकार ही ये जिम्मेदारी दी।

साथ ही कहा, मेरा मतलब है, संजू सैमसन ने कुछ सालों तक उनके लिए कप्तानी की और फिर उन्हें हटा दिया गया और रियान ने उनकी जगह ले ली। मुझे नहीं पता कि वहां क्या हुआ? लेकिन मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट के नज़रिए से, इसका कोई मतलब बनता है। मांजरेकर ने साफ शब्दों में अपनी असहमति जताते हुए कहा, यह कहना थोड़ा कठोर है, लेकिन उसे इनाम के तौर पर बहुत ज़्यादा मिल गया है। उन इनामों के लिए सच में कड़ी मेहनत नहीं की। इसलिए यह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ा एक बहुत ही दिलचस्प मामला है। रियान 2019 से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं। आईपीएल 2026 के मौजूदा सीज़न में, उन्होंने 10 पारियों में 207 रन बनाए हैं।

दिल्ली कैपिल्स के लिए प्लेऑफ के दरवाजे अभी बंद नहीं, बड़े अंतर से जीतने होंगे सभी बचे हुए मैच

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और उसे 10 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनएं भी कमजोर हुई हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई हैं। कैपिटल्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। टीम 6 हारने के बाद वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम के अभी आठ अंक हैं और उसे अब बचे हुए सभी चार मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

उसे प्लेऑफ में पहुंचने इन सभी चारों मैचों में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। ऐसा करने पर उनके अंकों की संख्या बढ़कर 16 पहुंच जाएगी। आईपीएल इतिहास पर ध्यान दें तो 16 अंकों वाली टीम को प्लेऑफ में अवसर मिल ही जाता है। उसे पर , अपने नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा, जो वर्तमान में माइनस में है और करीबी मुकाबलों में निर्णायक साबित हो सकता है। दिल्ली कैपिटल्स को अब हर मैच जीतना होगा। एक भी हार उसे बाहर कर देगी। यदि वे बचे हुए चार मैचों में से एक भी मुकाबला हारते हैं, तो उनके अधिकतम अंक 14 तक ही पहुंच पाएंगे। इस बार 14 अंकों के साथ प्लेऑ में पहुंचना लगभग असंभव है। अंक तालिका की स्थिति देखें तो पाएंगे कि पहले से ही छह टीमों के खाते में 10 या उससे अधिक अंक हैं। इनमें से एक टीम के पास 13 अंक हैं और चार टीमें 12-12 अंकों के साथ शीर्ष-4 में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऐसे में 14 अंक पर टीम बाहर हो जाएगी। अधिकतर टीमें 16 या उससे अधिक अंक तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली के लिए राह और भी कठिन इस कारण से है क्योंकि उनके बाकी बचे चार मुकाबले आसान नहीं हैं। उन्हें दो बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना है। इसके अलावा उसे पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से भी खेलना है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछली टक्कर में दिल्ली को 264 रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे पंजाब से सतर्क रहना होगा। वहीं, राजस्थान रॉयल्स इस सीजन की सबसे खतरनाक टीमों में से एक रही है, हालांकि लीग चरण में दिल्ली ने उन्हें एक बार हराया है।

ईशान ने पंजाब किंग्स का खराब फील्डिंग के लिए मजाक उड़ाया

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मिली 33 रनों जीत पर खुशी जताते हुए विरोधी टीम की खराब फील्डिंग पर तंज कसा है । इस मैच में पंजाब ने कई कैच छोड़े जिससे उसके हाथ से ये मैच निकल गया । इसी के साथ ही पंजाब टीम को छह जीत के बाद लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है । मैच के बाद ईशान ने पंजाब किंग्स की खराब फील्डिंग की हंसी उड़ाते हुए सोशल मडिया में एक पोस्ट किया, जो तेजी से छा गयी । ईशान ने अपनी पोस्ट में केवल तीन शब्द लिखे अगर मुझे पकड़ सकते हो तो पकड़ों । इस पोस्ट से ईशान ने पंजाब के फील्डरों का एक प्रकार से मजाक उड़ाया है क्योंकि उनके तीन कैच पंजाब ने गिरा दिये थे । ईशान पहली बार जब 9 रन पर थे तभी कूपर कॉनॉली ने उनका कैच छोड़ दिया था । इसके बाद जब वह 18 रन पर थे, तब लॉकी फर्ग्यूसन ने भी कैच गिरा दिया । वहीं इसके बाद 20 रन पर प्रभसिमरन सिंह ने उनकी स्टंपिंग का अवसर छोड़ दिया था । इसी कारण ईशान 32 गेंदों में 55 रन बनाने में सफल रहे । ईशान ही नहीं, सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन का भी कैच गिरा था । इसके बाद क्लासने ने 43 गेंदों में 69 रनों की आक्रामक पारी खेली थी । इसका नुकसान पंजाब को हुआ था ।

मुम्बई इंडियंस के साथ रायपुर नहीं पहुंचे हार्दिक , टीम में मतभेद की अटकलें लगीं

रायपुर । मुंबई इंडियंस टीम 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफा होने वाले मैच के लिए पहुंच गयी है पर टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या नहीं पहुंचे हैं । जिससे कई सवाल उठ रहे हैं । ये भी अटकले हैं कि टीम में सब कुछ ठीक नहीं हैं । महत्वपूर्ण मैच से पहले कप्तान की अनुपस्थिति से प्रशंसकों का आशंकित होना जायज भी है । वहीं आधिकारिक रूप से यह बताया नहीं गया है कि हार्दिक बाद में टीम के साथ जुड़ेंगे या नहीं । हार्दिक को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ पिछले मैच से पहले पीठ में जकड़न आ गयी थी । इसी कारण वह तब मुकाबले से बाहर हो गये थे । ऐसे में उनकी जगह पर अनुभवी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी । उस मैच में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ को हराया था, जिससे टीम ने प्लेऑफ की अपनी संभावनएं बरकरार रखीं थीं ।

नेमार ने टीनेजर रोबिन्हो जूनियर से माफी मांगी, थप्पड़ मारने का था आरोप

रियो डी जेनेरो । स्टार फुटबॉलर नेमार ने कहा कि उन्होंने 'हद पार कर दी' और उन्होंने अपने सैंटोस टीम–साथी रोबिन्हो जूनियर से ट्रेनिंग सेशन के दौरान उस टीनेजर को थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगी। ब्राजील के इस क्लब ने जांच शुरू कर दी थी, जब 18 साल के फॉरवर्ड ने कथित तौर पर नेमार पर रविवार को 'चेहरे पर जोरदार थप्पड़' मारने का आरोप लगाया था । यह घटना तब हुई थी जब वह 34 साल के नेमार को ड्रिबल करते हुए पीछे छोड़ गए थे । अब उन्होंने गलतफहमी दूर कर ली है और मंगलवार को कहा कि रे पेले ट्रेनिंग सेंटर में हुई यह घटना 'पूरी तरह सुलझ गई है' । नेमार ने कहा, 'अगर आप मीडिया के सामने माफी चाहते हैं, तो यह रही।' नेमार ब्राजील के अब तक के सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं जिनके नाम 79 गोल हैं । बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार बार्सिलोना और पेरिस सेंट–जर्मन के पूर्व फॉरवर्ड ने मंगलवार को कोपा सुदामेरिकाना में रिकोलेटा के खिलाफ 1–1 से ड्रॉ रहे मैच में सैंटोस के लिए गोल करने का जश्न मनाते हुए सब्स्टीट्यूट रोबिन्हो जूनियर को गले लगाया। रोबिन्हो जूनियर उनके पूर्व ब्राजील टीम–साथी और मैनचेस्टर सिटी तथा रियल मैड्रिड के पूर्व अटैकर रोबिन्हो के बेटे हैं । नेमार ने कहा, 'हां, मैंने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी उसमें मैंने थोड़ी ज़्यादा ही प्रतिक्रिया दे दी । यह अलग तरह से हो सकता था, लेकिन आखिर में मैंने अपना आपा खो दिया । हर कोई गलतियां करता है । यह मेरी गलती थी, उसकी गलती थी; मैंने थोड़ी बड़ी गलती की । वह एक ऐसा लड़का है जिसे मैं बहुत पसंद करता हूं जिसके लिए मेरे मन में खास लगाव है । फुटबॉल में ऐसा होता रहता है – आप अपने दोस्त, अपने भाई से बहस कर लेते हैं । यही फुटबॉल है, यह खेल का ही एक हिस्सा है ।' रोबिन्हो जूनियर ने कहा कि नेमार को 'तुरंत एहसास हो गया था कि वह बहुत आगे निकल गए हैं' और उन्होंने इस कहा–सुनी के लिए 'कई बार' माफी मांगी । उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसी स्थिति थी जिसने मुझे परेशान कर दिया, क्योंकि बचपन से ही वह मेरे आदर्श रहे हैं । हमारे आस–पास के लोग बहुत सी ऐसी बातें कहते हैं जो सच नहीं होतीं, और यह देखकर दुख होता है कि बात इस हद तक बढ़ गई । लेकिन मैं ठीक हूँ, मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूँ । हमने आपस में बात कर ली है और सब कुछ सुलझ गया है ।'

ईरान की फुटबॉल टीम फीफा विश्वकप शुरु होने दो सप्ताह पहले पहुंच सकती है अमेरिका

तेहरान । ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच आमिर घालेनोई ने कहा कि उनकी फीफा विश्वकप शुरू होने से दो सप्ताह पहले अमेरिका पहुंचने की योजना है । ईरानी मीडिया ने यह जानकारी दी । घालेनोई ने कहा कि योजना टीम को विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी । उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को अभी भी दो या तीन अच्छे अभ्यास मैच कराने की जरूरत है । तय कार्यक्रम के मुताबिक, टीम 16 मई को तुर्किये के लिए रवाना होगी और वहां दो सप्ताह रहेगी । ईरान फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि वे विश्वकप में हिस्सा लेने के बारे में सबसे अच्छा फैसला लेने के लिए काम कर रहे हैं । अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबान में 11 जून से 19 जुलाई होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है । टीम 15 जून को लॉस एंजिल्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, उसके बाद 21 जून को उसी जगह पर बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलेगी । ईरान का आखिरी ग्रुप मैच 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ होगा ।

सैमसन ने सीएसके में आते ही अपने को साबित किया : गायकवाड़

नई दिल्ली । बल्लेबाज संजू सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं । अब तक सीएसके को जीत मिली हैं । उसमें भी सैमसन की सबसे बड़ी भूमिका रही है । सैमसन को इसी साल सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था और उसका ये दांव सफल रहा। सैमसन ने उसकी ओर से अब तक इस सत्र में दो शतक लगा दिया है । वहीं कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने नाबाद 87 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने के साथ ही पलेऑफ की दौड़ में भी बनाये रखा है । इसी को देखते हुए टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने भी कहा है कि सैमसन ने आते ही कमाल कर दिया । अपने प्रदर्शन से वह टीम के सबसे भरोसमंद खिलाड़ी बन गये हैं । सैमसन ने तीसरी बार 80 से अधिक रन का स्कोर था, और एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जब भी उन्होंने 40 रन का आंकड़ा पार किया है, सीएसके ने जीत हासिल की है । संजू की ये फार्म 2026 टी20 विश्व कप के अंतिम चरणों से ही लगातार जारी है । गायकवाड़ ने सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा, विश्व कप से लेकर अभी जिस तरह का टूर्नामेंट संजू ने खेला है, उसके बाद टीम में उनका होना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है । अब वह हमारी बल्लेबाजी की रीढ़ हैं । संजू के प्रदर्शन के कारण ही सीएसके 10 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है । अब उसकी नजरें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए अगले दो बेहद महत्वपूर्ण मुकाबलों पर होगी ।

विनेश फोगाट डब्ल्यूएफआई द्वारा घोषित मानदंडों पर खरी नहीं उतरी, एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्सन ट्रायल में रही अयोग्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन बार की ओलंपियन विनेश फोगट को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) द्वारा घोषित मानदंडों के अनुसार एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल के लिए बुधवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया। फेडरेशन के अनुसार,सेलेक्शन ट्रायल के लिए पात्रता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं - 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं तक सीमित है।

सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश फोगाट ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है, क्योंकि वह पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर रही हैं

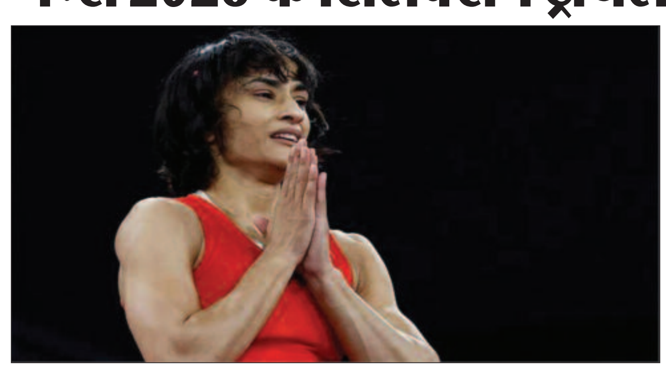

और इसलिए पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं। उन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों के तुरंत बाद रेसलिंग से संन्यास ले लिया था, लेकिन पिछले साल दिसंबर में विनेश ने कुश्ती में फिर से वापसी की घोषणा की थी।

मैदान से दूर रहने के दौरान उन्होंने एक व्यक्तिगत उपलब्धि भी हासिल की, क्योंकि वह पिछले साल जुलाई में माँ बनी थीं। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे। फेडरेशन ने एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल इसी महीने के अंत में दो दिनों में आयोजित करने का फैसला किया है। महिला कुश्ती के चयन ट्रायल 30 मई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे, जबकि पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन प्रतियोगिताएं 31 मई को लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र में होंगी।

ये ट्रायल सभी 18 ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन डिसिप्लिन में छह कैटेगरी होंगी। फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया में पिछले प्रदर्शनों पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल सेलेक्शन ट्रायल के रिजल्ट पर ही ध्यान दिया जाएगा। एशियन गेम्स 2026 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे।

खराब फील्डिंग के कारण सनराइजर्स से हारे : श्रेयस अय्यर

हैदराबाद । पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुई हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया है । पंजाब की टीम को इस मुकाबले में 33 रनों से हार का सामना करना पड़ा । इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय ओवरों में 4 विकेट पर 235 रन बनाये । इस दौरान पंजाब के खिलाड़ियों ने तीन आसान कैच गिरा दिये । वहीं एक स्टंपिंग का अवसर भी टीम ने खो दिया । श्रेयस के अनुसार अगर इन अवसरों का लाभी उठाया जाता तो 30 से 40 रन कम बनते और मैच का परिणाम कुछ और होता । मैच के बाद अय्यर ने कहा, हमने खेल की शुरुआत में ही कई कैच गिरा दिये । अगर ऐसा नहीं होता से सनराइजर्स 30 से 40 रन कम बना पाती । कप्तान ने कहा कि टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी भी इस मैच में उम्मीद के अनुसार नहीं रही । वहीं सनराइजर्स ने अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि मैच किस प्रकार अपने नाम किया जा सकता है । इस मैच में स्पिनर यजुवेन्द्र ने अच्छी गेंदबाजी की पर उन्हें एक ही विकेट मिल पाया क्योंकि उनके एक ही ओवर में एक कैच और स्टंपिंग का अवसर निकल गया । इस सत्र में चहल की गेंदों पर कुल 16 कैच उछले पर 8 कैच ही पकड़े जा सके । अय्यर ने चहल की प्रशंसा करते हुए कहा, उसने बिना किसी डर के आक्रामक गेंदबाजी की । उससे अपनी गेंदबाजी से दबाव भी बनाया पर हम उसका लाभ नहीं उठा पाये । इस मैच में पंजाब के बल्लेबाज भी उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये । युवा बल्लेबाज कूपर कोनोली ही टिक पाये । कोनोली ने 59 गेंदों में नाबाद 107 रन बनाए । इस मैच के साथ ही सत्र में पंजाब किंग्स की लगातार तीसरी हार है । टीम अब पांच दिन के आराम के बाद 11 मई को दिल्ली कैपिल्स से खेलेगी । श्रेयस ने कहा है कि अब हमें बचे हुए मैच में अपनी गलतियां सुधारनी होंगी ।

सबालेंका बोली, खिलाड़ियों की मांगे नहीं मानी तो टूर्नामेंटों का बहिष्कार तक करेंगे

रोम (एजेंसी)। विश्व भर के स्टार टेनिस खिलाड़ी अब टूर्नामेंटों में राशि बढ़ाये जाने की मांग पर अड़ गये हैं। इन खिलाड़ियों ने आगाह किया है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का बहिष्कार करने के लिए भी मजबूर हो जाएंगे। बेलारुस की महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में बड़ी पुरस्कार राशि पाना खिलाड़ियों का अधिकार है और अगर ये नहीं मिलती है तो इसके लिए आंदोलन तक किया जाएगा। इटैलियन ओपन के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार तक कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बिना कोई टूर्नामेंट या मनोरंजन संभव नहीं है, और इसलिए वे निश्चित रूप से अधिक राशि के अधिकारी हैं।

सबालेंका ने यह भी कहा कि किसी समय हम बहिष्कार भी करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने लड़कियों की एकजुटता की भी सराहना की, यह कहते हुए कि हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। उनका मानना है कि खिलाड़ियों के साथ कुछ चीजें बहुत गलत हैं और यह स्थिति अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचने वाली है।

गौरततब है कि पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम आयोजकों को दो पत्र भेजे थे, जिसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास के बाद और मातृत्व के अवसर पर बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान की मांग की गई थी। इन पत्रों में टूर्नामेंट के राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जो मेजर टूर्नामेंट को एटीपी मेन्स टूर और डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-स्तरीय आयोजनों के बराबर लाता है।

हालांकि, महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने बहिष्कार के फैसले का सही नहीं बताया। स्वियाटेक ने कहा, सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि फ्रेंच ओपन से पहले इस तरह की बैठक का मौका मिलेगा और उसमें समाधान निकलेगा। खिलाड़ियों ने हाल ही में फ्रेंच ओपन द्वारा पुरस्कार राशि में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा को पर्याप्त नहीं करार दिया है।

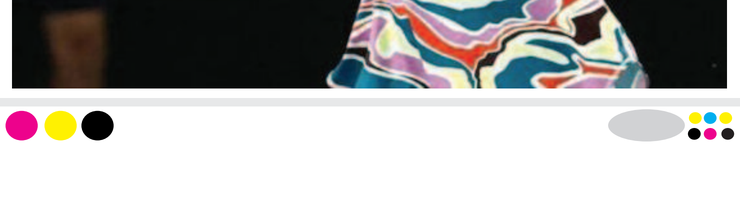

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 3882

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3881 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 3882

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3881

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	श		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	श			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

सूडोकु -3882

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3881 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 3882

बाएँ से दाएँ

1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे

1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -3881 का हल

	ब	ल	शा	ली		रु	ख	सा	र	
अ	न		ली		प	त	न		जा	न
न		ज	मा	दा	र		न	म		फा
म	ग	रु	र			आ		द	र	स
ना		र		अ	ज	ग	र		वा	त
	मि	त	वा		ही		स	प	ना	
म	ल		दा	वा	न	ल		रा		फि
त	न	य		ल			ह	ज	र	त
ल		म	त		का	र्या	ल	य		र
बी	ज		म	का	न		च		सा	त
	य	ल	गा	र		ब	ल	शा	ली	

हेल्थ टिप्स

प्रत्येक रोग की चिकित्सा के साथ-साथ अगर खानपान और रहन-सहन नियंत्रित किया जाए, तो रोग जल्दी ठीक हो जाता है। कुछ रोगों में औषध चिकित्सा तभी काम करती है जब पथ्य-अपथ्य सेवन के नियमों का पालन किया जाए। लंबे चलने वाले रोगों में कुछ बातें इतनी महत्वपूर्ण होती हैं कि उनका पालन करने से मनुष्य स्वस्थ रह सकता है।

- श्वास के रोगी को अधिक चलना नहीं चाहिए। भोजन के उपरांत जल सेवन नहीं करना चाहिए और सूर्यास्त से पूर्व भोजन कर लेना चाहिए।
- प्रमेह के रोगी को पानी अधिक नहीं पीना चाहिए। जौ के आटे से बनी रोटी का सेवन करना चाहिए। आंवला, हल्दी और मूंग की दाल का सेवन रोजाना करना चाहिए।
- दृष्टि दोष वाले व्यक्तियों को कभी तेल में पका अन्न नहीं लेना चाहिए, अपितु दूध में पके अन्न का सेवन करें। रात को भोजन नहीं करना चाहिए। अधिक द्रव्य आहार से बचें।
- नव ज्वर में दूध और घी से परहेज करना चाहिए, लेकिन 12 दिन बुखार पुराना हो जाने पर इनका प्रयोग अवश्य करना चाहिए।
- त्वचा के रोगों में तेल पान बिलकुल नहीं करना चाहिए। द्रव्य आहार भी कम से कम लेना चाहिए।
- टीबी के रोगी को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।
- मानसिक विकार होने पर घी का प्रयोग बहुलता से करना चाहिए।

दांत रहें सदा मजबूत

दांतों की सफाई रखना सेहत के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि जो कुछ हम खाते हैं वह दांतों द्वारा ही चबाया जाता है। यदि दांत गंदे होंगे तो उनकी गंदगी खाना खाते समय अन्दर चली जायेगी और फिर धीरे-धीरे पेट की बीमारियां पैदा होने लगेंगी। दांतों की सफाई न रखने से उनमें कीड़ा लग जाता है, दर्द होने लगता है और मसूढ़े सड़ने लगते हैं। कई बार तो दांतों की गंदगी के कारण मसूढ़ों में पीप भी पड़ जाती है। फिर यही पीप खाने में मिलकर पेट में पहुंच जाती है और बाद में खून में मिल कर उसे भी खराब कर देती है इसलिए जो लोग दांतों को साफ नहीं रखते, उनकी सेहत भी ठीक नहीं रहती।

दांतों को साफ रखने के लिए सुबह और रात को खाना खाने के बाद ब्रुश जरूर करें। दोपहर को खाने के बाद भी कुल्ला जरूर करें क्योंकि खाना खाते समय भोजन के कुछ कण दांतों में रह जाते हैं तो सफाई न करने पर सड़ कर बदबू पैदा करने लगते हैं।

कुछ लोग ब्रश करने के बजाय नीम की दातुन करना ही पसंद करते हैं। नीम की दातुन भी दांतों और मसूड़ों के लिए काफी फायदेमंद है क्योंकि दातुन में पेड़ का हरा रस रहता है जो दांतों के लिए अच्छी दवा है। कुछ लोगों की आदत होती है कि दातुन मुंह में रखकर चबाते-चबाते बाहर निकल जाते हैं और इधर उधर थूकते हैं। यह बहुत ही गलत आदत है। जहां दातुन न मिल सके, वहां मंजन का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। मंजन करते समय उंगली से मसूढ़ों को अच्छी तरह मसलें। ऐसा करने से खून का दौरा बढ़ता है।

दांतों पर पीलापन आ जाने पर सूखे व पिसे संतरों के छिलकों द्वारा साफ किया जा सकता है। इसके लिए आप संतरे के छिलकों को सुखाकर पीस लें और फिर बारीक छलनी से छान लें। इस पाउडर को मलने से दांत बिलकुल साफ हो जाते हैं। इस पाउडर को मंजन में मिलाकर भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

दांतो के साथ-साथ जीभ को भी साफ रखें। जीभ पर जमा मैल दातून से या जीभी (टंग क्लीनर) से साफ करें। यदी ऊपर लिखी बातों पर ठीक से ध्यान दिया जाए और इसके साथ-साथ भोजन चबा-चबा कर किया जाये, दांतों को अच्छी तरह-साफ रखा जाए और कब्ज दूर करने वाली चीजों का इस्तेमाल किया जाए तो हर हाल में आपके दांत ठीक रह सकते हैं। दांतों की कोई बीमारी होने पर जल्दी ही डाक्टर से इलाज कराएं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

'टॉक्सिक' जैसी सिनेमाई दुनिया पहले कभी नहीं देखी

'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' की सफलता का जश्न मना रही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अब अपनी अगली बड़ी फिल्म 'टॉक्सिक: अ फेरीटेल फॉर ग्रो-अप्स' को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। हाल ही में रुक्मिणी ने फिल्म के भव्य स्केल और अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस दुनिया को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। रुक्मिणी ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'

उन्होंने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएंशंस के बैनर तले बन रही है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

'टॉक्सिक' हिंदी, तेलुगु के साथ तमिल, मलयालम समेत कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा, जिससे यह पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सकेगी। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

उर्वशी रौतेला की वापसी से और दमदार होगा

इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2

क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही है। मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है और इस बार कहानी पहले से ज्यादा रोमांच से भरी होगी। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वह इस रोल को अपने करियर के सबसे खास किरदारों में से एक मानती हैं। उर्वशी रौतेला ने कहा, ''मेरे लिए 'इंस्पेक्टर अविनाश' सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा, ''सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा। सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है।''

अपने किरदार को असली बनाने के लिए उर्वशी ने काफी मेहनत की। उन्होंने बताया, ''तैयारी के दौरान मैं असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की पत्नी से मिलीं। मुझे उनकी सादगी, धैर्य और मानसिक मजबूती ने काफी प्रभावित किया। उनके साथ समय बिताने के बाद मुझे समझ आया कि पुलिस अधिकारी की पत्नी होना कितना मुश्किल होता है। बाहर से यह जिंदगी सामान्य दिख सकती है, लेकिन अंदर ही अंदर बहुत संघर्ष और चिंता छिपी होती है। इसी अनुभव ने मुझे अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझने में मदद की।'' उर्वशी ने कहा, ''मैंने इस किरदार के लिए करीब दो साल तक तैयारी की। छोटी-छोटी आदतों और व्यवहार को समझने की कोशिश की। बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज, चलने का अंदाज और यहां तक कि साड़ी पहनने के तरीके तक पर भी ध्यान दिया। मैं चाहती हूं कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे।'' उन्होंने कहा, ''यह किरदार मेरे पिछले सभी किरदारों से काफी अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मैं हमेशा से ऐसे किरदार निभाना चाहती थीं जिनमें भावनात्मक गहराई हो।''

दिलजीत दोसांझ का अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ भारत समेत पूरे विश्व में अपनी कला का परचम लहराते रहते हैं। उनकी लोकप्रियता का खुमार लोगों में इस कदर होता है कि कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। अभिनेता के प्रति दीवानगी आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है, जिनमें पंजाबी सिनेमा की अभिनेत्री गीता बसरा का नाम भी शामिल है। गीता बसरा ने पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वे दिलजीत उनके 'ऑल-टाइम फेवरेट' पसंदीदा पंजाबी कलाकार हैं।

अभिनेत्री ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। गीता ने कहा, 'दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं।' गीता ने कहा कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। वे कहती हैं, 'जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं।' दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज और अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी एनर्जी हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है।

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' की रिलीज डेट का एलान

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। यह एक सोशल-पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। फिल्म का नाम 'द इंडिया' स्टोरी है। इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। फिल्म जुलाई में दर्शकों तक पहुंचेगी।

कब रिलीज होगी काजल-श्रेयस की फिल्म?

काजल और श्रेयस तलपड़े की 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में खेती में रसायनों के दुरुपयोग और उनके खतरनाक प्रभावों के बारे में दर्शाया जाएगा। खासतौर पर यह फिल्म कीटनाशक खेती और उससे जुड़े घोटालों के संदर्भ में है। यह फिल्म मूल रूप से किसी एक व्यक्ति की कहानी से आगे बढ़कर एक बड़े व्यवस्थागत संकट पर केंद्रित है। यह पर्यावरणीय चिंताओं और औद्योगिक लापरवाही पर प्रकाश डालती है और साथ ही कॉर्पोरेट जवाबदेही पर भी सवाल उठाती है। स्कूल प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी सागर बी. शिंदे ने लिखी और इसका निर्माण भी उन्होंने ही किया है।

लोगों को जागरुक करने की कोशिश

फिल्म की थीम के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर सागर बी. शिंदे ने कहा कि यह कहानी एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है, जो अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है, लेकिन अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है।

उन्होंने एक बयान में कहा, 'हमने यह कहानी इसलिए चुनी, क्योंकि यह एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है जो अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है, लेकिन पूरे देश में अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है।

केमिकल्स का गलत इस्तेमाल, खासकर कीटनाशक वाली खेती में, सिर्फ पर्यावरण से जुड़ी चिंता ही नहीं है, बल्कि यह एक मानवीय संकट भी है। हम चाहते हैं कि इस फिल्म के जरिए लोगों में जागरूकता फैले और वे जवाबदेही और बदलाव के बारे में सार्थक बातचीत शुरू करें'। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी।

इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी

अरशद वारसी ने अपने तीन दशक लंबे करियर में हर तरह के किरदार निभाए हैं। कॉमेडी रोल से अपनी पहचान बनाने वाले अरशद ने ग्रे शेड कैरेक्टर, सीरियस कैरेक्टर और निगेटिव रोल भी अदा किए हैं। यही कारण है कि अरशद वारसी का ऐसा मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके लिए हमेशा एक जगह रहेगी। अरशद वारसी ने कॉमेडियंस या कॉमेडी करने वाले अभिनेताओं को कमतर आंके जाने पर निराशा जताते हुए ये उम्मीद जताई कि ऐसे कलाकारों को वो सम्मान मिले, जिसके वे हकदार हैं। बातचीत में अरशद वारसी ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल सिर्फ एक संख्या नहीं है। यह एक उपलब्धि है। यह महत्वाकांक्षा से कहीं अधिक धैर्य का प्रमाण। बेशक इंडस्ट्री आपकी परीक्षा लेगा। कड़ी मेहनत तो हर कोई करता है, लेकिन अगर आप खुद पर और अपनी क्षमता पर दृढ़ विश्वास रखते हैं और धैर्य बनाए रखते हैं, तो निश्चिंत रहें कि एक दिन दूसरे भी आप पर विश्वास करेंगे। यही चीज मुझे आगे बढ़ाती रही। मैंने कभी हार नहीं मानी, न तब जब काम धीमा हो गया, न तब जब पहचान एक समान नहीं थी और न तब जब सिस्टम मेरे खिलाफ झुका मालूम हुआ। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं एक अच्छा अभिनेता हूं और इस इंडस्ट्री में मेरे लिए जगह है। वास्तव में इस इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी।

कॉमेडी को नहीं मिलता सम्मान

अपनी बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अरशद ने इस बात पर चिंता जताई कि कॉमेडी को अक्सर मुख्य भूमिकाओं से कैसे जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर कॉमेडियन, अभिनेता या उभरते हुए कलाकार जो कॉमेडी में माहिर हैं, उनके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम इसे कमतर आंकते हैं। यह वाकई दुखद है। मुझे नहीं लगता कि कोई कभी किसी अभिनेता से पूछेगा कि क्या अभिनय में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा बनता है। या क्या रोमांस और ड्रामा में माहिर होना एक सीमा बन जाता है। तो फिर कॉमेडी में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा क्यों माना जाता है?

कॉमेडी करने वाले लोगों को अक्सर सतही, गैर-गंभीर और कम बुद्धिमान समझा जाता है। जबकि असल में मजेदार होने के लिए आपको बेहद बुद्धिमान, जानकार, तेज और गंभीर होना पड़ता है। हर कोई जानता है कि कॉमेडी एक्टिंग का सबसे कठिन रूप है। ऐसे बहुत कम अभिनेता हैं जो वास्तव में कॉमेडी कर सकते हैं। कृपया उन्हें वह सम्मान दें जिसके वे हकदार हैं।

अरशद वारसी की पाइपलाइन में हैं कई बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अरशद वारसी पिछले साल 'जॉली एलएलबी 3' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। इस साल भी उनकी पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इनमें 'वेलकम टू द जंगल' और 'धमाल 4' जैसी फ्रेंचाइजी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा उनके राजकुमार हिरानी के निर्देशन में भी नजर आने की संभावना है। वहीं अरशद तिग्मांशु धूलिया की आगामी फिल्म 'घमासान' में भी नजर आएंगे, इसमें वो कुख्यात डाकू ददुआ की भूमिका में दिखाई देंगे। जबकि इन दिनों अरशद 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

ओटीटी को लेकर चिंतित नहीं हैं अरशद

ओटीटी के बढ़ते वर्चस्व को लेकर अरशद वारसी का कहना है कि मुझे जिस तरह की फिल्में पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। मैं हमेशा से ऐसा अभिनेता रहा हूं जिसे कमर्शियल फिल्में पसंद थीं, लेकिन उनमें वास्तविकता का पुट होना चाहिए। मुझे तर्कहीन कहानी कहने का तरीका पसंद नहीं था। इसलिए मेरे लिए यह एक शानदार समय है क्योंकि जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। सिनेमा में आए सभी बदलावों को दिल से पसंद करता हूं। चाहे वो पहले कैसा भी रहा हो और आज जैसा भी हो। मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का यह दौर अच्छा लगता है और मैं फिल्ममेकिंग के कमर्शियल और पैरलल दोनों पहलुओं की सराहना करता हूं। आखिरकार हमारी फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर की दिख रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

विवेक रामास्वामी बने ओहायो गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार, केसी पुच को प्राइमरी चुनाव में हराया

कोलंबस (ओहायो), एजेंसी। भारतीय मूल के उद्यमी और डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक विवेक रामास्वामी ने मंगलवार को ओहायो के गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीत लिया है। प्राइमरी चुनाव के अनौपचारिक नतीजों के अनुसार, उन्होंने कार डिजाइनर केसी पुच को इस हराकर अपनी जगह पक्की की। अब वह रस्ट बेल्ट के इस महत्वपूर्ण प्रांत में रिपब्लिकन पार्टी का चेहरा होंगे। बायो-टेक एंटरप्रेन्योर विवेक रामास्वामी ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप के खिलाफ दावेदारी पेश की थी। हालांकि वे प्राइमरी में हार गए थे, लेकिन उस अभियान ने उन्हें पूरे अमेरिका में एक प्रभावशाली वक्ता और नेता के रूप में पहचान दिलाई। बाद में उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का समर्थन किया और अब वे उनके आशीर्वाद के साथ ओहायो की राजनीति में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। आम चुनाव में रामास्वामी का सामना डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन से होगा। एमी एक्टन ओहायो की पूर्व सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक रही हैं और वे अपनी पार्टी की ओर से निर्विरोध चुनी गई हैं। रामास्वामी ने अपने प्रचार के दौरान एमी एक्टन की स्वास्थ्य नीतियों और 'कोविड विचारधारा' पर तीखे हमले किए हैं। ओहायो के वर्तमान गवर्नर माइक डीवाइन का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और वे नियमों के कारण दोबारा चुनाव नहीं लड़ सकते। रामास्वामी की इस जीत ने ओहायो की राजनीति में एक नए युग का संकेत दिया है। रिपब्लिकन पार्टी को उम्मीद है कि रामास्वामी की युवा ऊर्जा और ट्रंप के समर्थकों का आधार उन्हें नवंबर में होने वाले आम चुनाव में जीत दिलाएगा।

जमैका के बाद सूरीनाम पहुंचे जयशंकर, पारामारीबो में हवाई अड्डे पर हुआ गर्मजोशी से स्वागत

पारामरिबो (सूरीनाम), एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को सूरीनाम पहुंचे, जहां उनकी वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता होने वाली है। तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण में उन्होंने अपने समकक्ष मेल्विन बुवा से मुलाकात की, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जयशंकर ने कहा कि वह पहली बार पारामारिबो (सूरीनाम की राजधानी) पहुंचे हैं और बातचीत को लेकर उत्साहित हैं। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और सूरीनाम के बीच खास संबंध हैं, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में गिरमिटिया समुदाय के लोग रहते हैं। ये वे भारतीय मजदूर थे जो 19वीं सदी में अनुबंध के तहत विदेश में काम करने गए थे और बाद में वहीं बस गए। इस यात्रा के बाद जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो भी जाएंगे। इससे पहले वह जमैका का दौरा कर चुके हैं, जहां कई अहम समझौते हुए और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। भारत ने जमैका को स्वास्थ्य और आपदा राहत के तहत डायलिसिस यूनिट, मछली पकड़ने वाली नावें और जीपीएस उपकरण देने का निर्णय लिया है। यह सहायता पिछले साल आए तूफान के बाद पुनर्निर्माण में मदद के लिए दी जा रही है। जयशंकर ने जमैका में कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए और दोनों देशों ने डिजिटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए जमैका के समर्थन और आतंकवाद के खिलाफ रुख पर एकुजटता की सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की और वहां के विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

ट्रंप का 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान, जारी रहेगी नाकेबंदी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (लोकल टाइम) को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान किया. साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि ईरान के पोर्ट्स पर नाकेबंदी जारी रहेगी. 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का मकसद खाड़ी में बढ़ते क्षेत्रीय टेंशन के बीच होर्मुज स्ट्रेट में फंसे कमर्शियल जहाजों को निकलने में मदद करना है. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के अनुरोध के बाद लिया गया, जो वाशिंगटन और तेहरान और दूसरे देशों के बीच शांति समझौते के लिए मध्यस्थ के तौर पर काम कर रहा है. ट्रंप ने आगे दावा किया कि यह फैसला ईरान के खिलाफ कैंपेन के दौरान मिली बड़ी मिलिट्री बढ़त और ईरानी प्रतिनिधियों के साथ संभावित समझौते की दिशा में हुई प्रगति के बाद लिया गया. अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि यह रोक इसलिए लगाई गई थी ताकि यह देखा जा सके कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच एग्रीमेंट को फाइनल किया जा सकता है या नहीं और उस पर साइन किया जा सकता है या नहीं. पोस्ट में कहा गया, 'पाकिस्तान और दूसरे देशों की रिक्वेस्ट के आधार पर ईरान देश के खिलाफ कैंपेन के दौरान हमें जो जबरदस्त मिलिट्री कामयाबी मिली है।

स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ीं?: स्थानीय चुनावों में भारी नुकसान का डर, पार्टी में उठे बगावत के सुर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में इस वक्त राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। गुरुवार को होने वाले स्थानीय चुनाव ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन गए हैं। इन चुनावों के नतीजे यह तय कर सकते हैं कि स्टार्मर अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे या उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ेगा। यह चुनाव साबित कर देंगे कि अब ब्रिटेन एक बंटी हुई राजनीति के दौर में प्रवेश कर चुका है। माना जा रहा है कि देश की जनता प्रधानमंत्री से काफी नाराज है और इसका सीधा असर चुनाव की वोटिंग में देखने को मिलेगा। ब्रिटेन की राजनीति अब कई अलग-अलग पार्टियों में बंटती हुई नजर आ रही है, जिससे सत्ताधारी पार्टी की मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

कीर स्टार्मर की 'लेबर पार्टी' को इंग्लैंड की स्थानीय परिषदों के साथ-साथ स्कॉटलैंड और वेल्स की विधानसभाओं में होने वाले इन चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कमजोर अर्थव्यवस्था और जनता की नाराजगी के कारण प्रधानमंत्री की लोकप्रियता काफी नीचे गिर गई है। विपक्षी पार्टियां गुरुवार को होने वाले इस चुनाव को स्टार्मर सरकार के दो साल के कामकाज पर एक कड़े जनमत संग्रह की तरह पेश कर रही हैं।

धुर-दक्षिणपंथी पार्टी 'रिफॉर्म यूके' ने तो इस चुनाव में अपना खास नारा ही 'रिफॉर्म को वोट दें, स्टार्मर को बाहर करें' रख लिया है। वैसे तो अगला राष्ट्रीय चुनाव साल 2029 तक नहीं

होना है, लेकिन अगर गुरुवार को लेबर पार्टी बुरी तरह हारती है, तो स्टार्मर के खिलाफ उनकी अपनी ही पार्टी में एक बड़ी बगावत शुरू हो सकती है। एक विशेषज्ञ के अनुसार, भारी जीत के दो साल के अंदर ही स्टार्मर अब लोगों की निराशा का बहुत बड़ा कारण बन गए हैं।

बढ़ा दी है प्रधानमंत्री की परेशानी : जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही कीर स्टार्मर ने कई ऐसी गलतियां की हैं, जिससे उनकी साख को भारी धक्का लगा है। उनकी सरकार अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, खस्ताहाल बुनियादी सेवाएं सुधारने और महंगाई कम करने के अपने वादों में पूरी तरह नाकाम रही है। इसके साथ ही, ईरान के साथ अमेरिकी-इस्राइली युद्ध के कारण यह काम और भी मुश्किल हो गया है। इस युद्ध ने होर्मुज के रास्ते से आने वाले तेल की सप्लाई को रोक दिया है। इसके अलावा, एक दागी छवि वाले पीटर मैंडेलसन को वाशिंगटन का राजदूत बनाने के उनके अजीब फैसले से भी देश की जनता और पार्टी के नेता बहुत ज्यादा खफा चल रहे हैं। स्टार्मर की जगह कौन सा नेता लेगा? जानकारों का अनुमान है कि लेबर पार्टी इंग्लैंड की 2,500 में से आधी से ज्यादा सीटें बहुत बुरी तरह हार सकती है। यह लेबर पार्टी और प्रधानमंत्री दोनों के लिए बहुत ही खतरे की घंटी है। अगर चुनाव में इतनी करारी हार होती है, तो स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, पूर्व उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर या मेयर एंडी बर्नहैम जैसे बड़े नेता स्टार्मर को पद से हटाने के लिए सीधी चुनौती दे सकते हैं। नियम के अनुसार किसी भी नेता को ऐसा करने के लिए संसद में कम से कम 80 सांसदों के समर्थन की सख्त जरूरत होगी। जानकारों का साफ कहना है कि अब यह सवाल नहीं है कि स्टार्मर जाएंगे या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि वह कब जाएंगे। ब्रिटेन का राजनीति बदलने वाली हैं? दशकों से ब्रिटेन में केवल दो ही मुख्य पार्टियां सत्ता के आस-पास रही हैं, लेकिन अब यहां की राजनीति पूरी तरह बदल रही है। इस बार लेबर पार्टी का वोट 'ग्रीन पार्टी' और 'रिफॉर्म यूके' जैसी पार्टियों में बंटने की पूरी उम्मीद है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ब्रिटेन अब 'पांच-पार्टी सिस्टम' की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। वेल्स में एक सदी से राज कर रही लेबर पार्टी अब तीसरे नंबर पर खिसक सकती है और वहां 'प्लेड सिमरू' पार्टी चुनाव जीत सकती है। वहीं, स्कॉटलैंड में 'स्कॉटिश नेशनल पार्टी' ने कड़ा ऐलान किया है कि अगर वह चुनाव जीती तो ब्रिटेन से आजादी के लिए एक नया जनमत संग्रह कराएगी। अब पुरानी राजनीति खत्म हो रही है और बदलाव तय माना जा रहा है।

पाकिस्तान के पेशावर में अमेरिका बंद करेगा वाणिज्य दूतावास, सुरक्षा के डर से ट्रंप का फैसला

चेन्नई, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान में एक बहुत बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर शहर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को पूरी तरह से बंद करने का बड़ा एलान कर दिया है। यह फैसला अचानक एक झटके में नहीं लिया गया है, बल्कि इसे चरणबद्ध तरीके से यानी धीरे-धीरे लागू किया जाएगा। अमेरिका के इस बड़े फैसले से पाकिस्तान में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका ने दुनिया को साफ कर दिया है कि उसके लिए अपने राजनयिकों और कर्मचारियों की जान की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है और वह इस मामले में कोई समझौता नहीं कर सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी करके इस बड़े फैसले की जानकारी पूरी दुनिया को दी। बयान में बताया गया है कि अमेरिका अपने पेशावर वाणिज्य दूतावास के कामकाज को हमेशा के लिए समेट रहा है। अब तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के साथ कूटनीतिक बातचीत और कामकाज की जो जिम्मेदारी पेशावर दूतावास के पास थी, वह अब सीधे इस्लामाबाद में स्थित अमेरिकी दूतावास को सौंप दी जाएगी। यह कदम बताता है कि अमेरिका पाकिस्तान के उस इलाके में अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर कितना ज्यादा चिंतित है।

टेक्सास में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 घायल, पुलिस ने हमलावर को किया अरेस्ट

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में एक माल में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 लोगों के घायल होने के बाद इलाके में भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। यह दर्दनाक घटना अमेरिका के टेक्सास राज्य में डलास के उत्तरी शहर कैरोलटन में मंगलवार को घटी है। एक अज्ञात व्यक्ति ने अचानक से वहां मौजूद पांच लोगों पर ताबड़तोड़ तरीके से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस भयानक और हिंसक वारदात में दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस हमले के मुख्य आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच के अनुसार यह कोई अचानक किया गया हमला नहीं था बल्कि एक सोची-समझी साजिश लग थी। हमलावर और पीड़ित एक-दूसरे को पहले से जानते थे और उनके बीच कोई पुराना विवाद था। घायलों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल भेजा गया है और पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी सुरक्षा की जा रही है। घातक हमले की क्या है असली वजह? कैरोलटन पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एरेडोंडो ने बताया कि यह सभी लोग किसी खास व्यावसायिक मीटिंग के लिए मिले थे। हमले का असली मकसद अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन आपसी रंजिश की बड़ी आशंका जताई है। पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि आखिर इस हिंसक वारदात को अंजाम देने की असली वजह क्या थी। यह दिल दहला देने वाली घटना कैरोलटन के कोरियाटाउन इलाके में स्थित एक प्रसिद्ध के टाउन प्लाजा में घटी है। यह प्लाजा डलास शहर से करीब 32.1 किलोमीटर दूर स्थित है और यहां हमेशा लोगों की काफी ज्यादा भीड़ रहती है। अचानक गोलीबारी की आवाज सुनते ही पूरे प्लाजा में भारी दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई पुलिस अधिकारी प्लाजा के अंदर हथियारों के साथ तलाशी लेते नजर आ रहे हैं। इस बड़े मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ एफबीआई की टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई है। अन्य कई संघीय जांच एजेंसियां भी इस बड़े मामले की जांच करने में स्थानीय प्रशासन की मदद कर रही हैं। कारोबार के विवाद में किया हमला स्थानीय पुलिस के अनुसार व्यावसायिक मीटिंग के दौरान ही किसी बात को लेकर इन लोगों के बीच विवाद हुआ था। इसी गंभीर विवाद के चलते हमलावर ने गुस्से में आकर अपने ही साथियों पर जानलेवा फायरिंग करना शुरू कर दिया था। गिरफ्तार किए गए आरोपी से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है ताकि इस पूरे मामले की सच्चाई का पूरी तरह पता चल सके।

खैबर पख्तूनख्वा में मौलाना की हत्या, लोग सड़कों पर उतरे, हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग

इस्लमाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में प्रसिद्ध मौलाना मोहम्मद इदरीस की अज्ञात लोगों ने बेरहमी से गोलीमार कर हत्या कर दी है। इस भयानक हमले से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है और लोग भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं। जेयूआई-एफ के नेता मौलाना इदरीस पार्टी प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के बेहद करीबी माने जाते थे। पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने इस पूरी घटना को टारगेट किलिंग करार देते हुए सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मौत की खबर फैलते ही आक्रोशित समर्थकों ने चारसादा शहर में मार्च निकालकर मुख्य सड़कों को पूरी तरह जाम कर दिया। हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर फारूक-ए-आजम चौक पर लोगों ने बड़ा धरना शुरू कर दिया है। आतंकवादियों ने की मौलाना की हत्या, जांच जारी काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट और पुलिस की संयुक्त जांच टीम ने बताया कि चार आतंकवादियों ने मिलकर मौलाना को निशाना बनाया। सेफ सिटी कैमरों की मदद से इन सभी संदिग्ध हमलावरों की तस्वीरें निकाल ली गई हैं और आगे की पहचान की जा रही है। पुलिस इन सभी आतंकवादियों को जल्द पकड़ने के लिए कई अहम ठिकानों पर लगातार भारी छापेमारी कर रही है। मौलाना इदरीस के परिवार में इस तरह का यह पहला भयानक हमला नहीं है, इससे पहले भी उनके ससुर की जान जा चुकी है। उनके ससुर और प्रसिद्ध विद्वान मौलाना हसन जान की भी साल 2007 में आतंकवादियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। उन्होंने उस समय देश में सशस्त्र संघर्ष का भारी विरोध किया था जिसके कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी थी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस दुखद हत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसी कायरतापूर्ण हरकतें पूरे देश का मनोबल किसी भी कीमत पर बिल्कुल नहीं गिरा सकती हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने भी इस बड़े हमले की कड़ी निंदा की है। अवामी नेशनल पार्टी के अध्यक्ष ऐमल वली खान ने इस घटना पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म, लेकिन शांति अभी दूर, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पर अमेरिकी विदेश मंत्री का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार तड़के घोषणा की कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। इसके साथ ही दो महीने से अधिक समय से चल रही अशांति का अंत हो गया है, जो अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए एक बड़े सैन्य संघर्ष के कारण उत्पन्न हुई थी। अली खामेनेई की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के उद्देश्य से शुरू हुए इस संघर्ष ने तेहरान में भी भारी राजनीतिक उथल-पुथल मचा दी थी। खामेनेई की हत्या के बाद, उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया, जो सत्ता में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में इज़राइल की साझेदारी में शुरू किया गया व्यापक सैन्य अभियान, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी, 28 फरवरी

को शुरू हुआ और खाड़ी क्षेत्र और व्यापक मध्य पूर्व को तीव्र अस्थिरता और संघर्ष के दौर में धकेल दिया।

ऑपरेशन की समाप्ति की घोषणा करते हुए रुबियो ने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। हमने इस अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है। हम ऐसी किसी और स्थिति की कामना नहीं करते। हम शांति का मार्ग अपनाना चाहेंगे। ट्रम्प एक समझौते को प्राथमिकता देंगे... जो कि अब तक ईरान ने नहीं चुना है। रुबियो ने क्षेत्र में विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग है, समुद्री स्थिरता को बहाल करने के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया। कई देशों ने - कुछ ने निजी तौर पर और कुछ ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका से अपने जहाजों को मुक्त कराने और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने में मदद करने का अनुरोध किया... और इसलिए राष्ट्रपति ट्रम्प ने आगे बढ़कर उनकी मदद की गुहार सुनी और अमेरिकी सेना को इन फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्देश दिया और यह जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और इस शासन के आर्थिक विनाश के कृत्य को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है। हम यह सिर्फ इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमसे अनुरोध किया गया था, बल्कि इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम ही एकमात्र ऐसे हैं जो ऐसा कर सकते हैं... राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका अपने मित्रों की मदद करेगा। हम तेहरान जैसे दुष्ट शासनों का डटकर सामना करेंगे और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने में संकोच नहीं करेंगे। तेहरान को कड़ी चेतावनी देते हुए रुबियो ने कहा, 'उनके लिए यह समझना बेहद ज़रूरी है कि उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका की इच्छाशक्ति को परखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, कम से कम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शासनकाल में तो बिल्कुल नहीं। उन्होंने बार-बार साबित किया है कि वे अपने कहे पर खरे उतरते हैं। और अगर वे उन्हें चुनौती देंगे।

ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इराक के प्रधानमंत्री-नामित अली अल-जैदी के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान पेजेशकियान ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी भी दबाव के आगे झुकेगा नहीं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, एक आधिकारिक बयान में राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, 'हमारी समस्या यह है कि एक ओर अमेरिका देश पर दबाव की नीति अपना रहा है और दूसरी ओर वह चाहता है कि ईरान बातचीत की मेज पर आए और आखिरकार उसकी एकतरफा मांगों के सामने आत्मसमर्पण कर दे। लेकिन यह असंभव है।' उन्होंने कहा कि ईरान मूल रूप से युद्ध और

असुरक्षा को किसी भी तरह से उचित विकल्प नहीं मानता। इसके साथ ही, पेजेशकियान ने कहा कि ईरान को परमाणु तकनीक से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अमेरिका ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे ईरान को परमाणु उद्योग रखने का अधिकार ही नहीं है। वह अत्यधिक मांगें सामने रखकर देश पर अतिरिक्त दबाव डालता है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने आगे कहा कि पिछली सभी वार्ताओं में ईरान पूरी तरह तैयार था कि अंतरराष्ट्रीय नियमों और वैश्विक निगरानी के तहत जो भी आवश्यक हो, वह सब कुछ उपलब्ध कराए ताकि उसके परमाणु गतिविधियों के शांतिपूर्ण स्वरूप को सुनिश्चित किया जा सके।

दूसरी ओर, अल-जैदी ने इराक की ओर से ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने की तत्परता जताई, ताकि क्षेत्रीय संकटों को कम किया जा सके। अल-जैदी के मीडिया कार्यालय के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने भविष्य में आधिकारिक यात्राओं के आदान-प्रदान पर भी सहमति जताई, ताकि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया जा सके। बता दें कि 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर तेहरान और ईरान के अन्य शहरों पर हमले किए थे, जिसमें तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई, वरिष्ठ कमांडरों और नागरिकों की मौत हुई थी। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ, जिसके बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता हुई, लेकिन वह बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई थी। फिलहाल, अमेरिका और ईरान लगातार समझौते के तहत युद्धविराम को जारी रखने की कोशिशों में जुटे हैं।

चीनी विदेश मंत्री की ईरानी समकक्ष से मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और प. एशिया संकट पर चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को बीजिंग में अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस बैठक की जानकारी दी। हालांकि, इसमें अधिक विवरण साझा नहीं किया गया। अराघची की यह पहली चीन यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव जारी है। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उम्मीद जताई कि चीन इस यात्रा के दौरान ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कम करने की बात करेगा और क्षेत्र में तनाव घटाने की दिशा में संदेश देगा। इससे पहले ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने जानकारी दी थी कि इस दौरे के दौरान अराघची अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया में जारी संकट समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

अपने चीन दौरे को लेकर अराघची ने क्या कहा था : अपनी यात्रा के दौरान अराघची चीन के अपने समकक्ष वांग यी के साथ दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और मौजूदा वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि अराघची की यह यात्रा वांग यी के निमंत्रण पर हो रही है और दोनों नेताओं के बीच बातचीत होगी। अराघची ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि यह यात्रा कई देशों के साथ जारी कूटनीतिक बातचीत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह चीन

के साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

चीन से पहले तीन देशों का किया दौरा : कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा किया है। ये दौरे पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच बातचीत का हिस्सा हैं। पिछले महीने रूस दौरे के दौरान अराघची ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। पुतिन ने कहा था कि रूस पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के लोग अपनी संप्रभुता के लिए बहादुरी से लड़ रहे हैं। इस मुलाकात में अराघची ने अमेरिका और इस्राइल से संघर्ष और हमलों पर भी विस्तार से चर्चा की। पुतिन ने कहा कि रूस ईरान के हितों का समर्थन करेगा और क्षेत्र में शांति बहाल करने में मदद करेगा। पाकिस्तान दौरे के दौरान अराघची ने ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इसके बाद ओमान की यात्रा में उन्होंने समुद्री सुरक्षा पर फोकस दिया। वहां होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चर्चा हुई, जो एक अहम समुद्री मार्ग है। अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान दोनों इस जलडमरूमध्य के तटीय देश हैं।

अमेरिका में फिर शुरू होगा पुराना 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम, ट्रंप ने की घोषणा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक पुराने 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम पहले अमेरिकी स्कूलों में बच्चों की शारीरिक फिटनेस जांचने के लिए चलाया जाता था, लेकिन बराक ओबामा सरकार के दौरान इसे बंद कर दिया गया था। व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने खिलाड़ियों, अधिकारियों और बच्चों के साथ मिलकर युवाओं में फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देने की बात कही। इस कार्यक्रम में मशहूर गोल्फ ब्रायसन डीचैम्ब्यू, गोल्फर गैरी प्लेयर और पूर्व एनएचएल खिलाड़ी टी. जे. ओशी जैसे पेशेवर एथलीट भी शामिल हुए। ट्रंप ने कहा, 'आज मैंने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय युवा खेल और फिटनेस को मान्यता दी गई है। साथ ही, मैंने नए और फिर से शुरू किए गए 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट अवार्ड' की पहली प्रति पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह एक ऐसा प्रमाणपत्र है जो शारीरिक फिटनेस के 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) को हासिल करने की उपलब्धि को मान्यता देता है।'

यह कार्यक्रम जॉन एफ. केनेडी के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। 2013 में एक नया कार्यक्रम आने से पहले यह लंबे समय तक अमेरिकी स्कूलों का एक अहम हिस्सा रहा था। ट्रंप ने अपने भाषण में खेल प्रतियोगिता और अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा अमेरिका की पहचान है और देश को आगे बनाए रखने के लिए जरूरी है। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव

रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा, 'अब हम दुनिया के सबसे ज्यादा बीमार देशों में से एक बन गए हैं। हमारे बच्चों में मोटापे का स्तर 5 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। 70 प्रतिशत वयस्क मोटे या ज़्यादा वज़न वाले हैं और 77 प्रतिशत बच्चे सैन्य सेवा के लिए जरूरी शारीरिक मानकों को पूरा नहीं कर पाते हैं। केनेडी ने अपने अंकल, राष्ट्रपति कैनेडी के कार्यकाल में शुरू किए गए मूल कार्यक्रम की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक ऐसी यादगार और अहम रस्म थी, जिसे मेरी पीढ़ी का हर व्यक्ति आज भी याद करता है।' अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि युवाओं की शारीरिक फिटनेस सीधे सेना की तैयारी से जुड़ी हुई है। उन्होंने चिंता जताई कि लगभग तीन-चौथाई अमेरिकी युवा सेना में भर्ती होने के योग्य नहीं हैं। प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट को शीत युद्ध के दौर में राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया गया था, जब यूरोपीय युवाओं की तुलना में अमेरिकी युवाओं की शारीरिक तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ रही थीं। इस टेस्ट में आम तौर पर पुल-अप्स, सिट-अप्स, शटल रन और सहनशक्ति वाले व्यायाम शामिल होते थे और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाते थे। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत समेत कई देशों में बच्चों के बीच बढ़ते मोटापे, मोबाइल और स्क्रीन की लत तथा कोविड महामारी के बाद कम हुई शारीरिक गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसी कारण कई सरकारें फिटनेस, खेल और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चला रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)